

अर्थव्यवस्था की स्थिति*

वैश्विक अनिश्चितता बढ़ गई है। अमेरिका में सितंबर में व्यापार और आर्थिक नीति दोनों में अनिश्चितता बढ़ी। हालांकि, वैश्विक विकास मोटे तौर पर स्थिर है। अक्तूबर में अमेरिका-चीन के बीच व्यापार तनाव और अमेरिकी सरकार के लंबे समय तक बंद रहने के कारण निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ी। भारतीय अर्थव्यवस्था ने व्यापक वैश्विक अनिश्चितता और कमजोर बाहरी मांग के बीच सुदृढ़ता प्रदर्शित किया। उच्च-आवृत्ति संकेतक शहरी मांग में पुनरुद्धार और मजबूत ग्रामीण मांग की ओर इशारा करते हैं। हेडलाइन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति सितंबर में तेजी से कम हो गई, जो जून 2017 के बाद से सबसे कम रही है।

परिचय

वैश्विक अनिश्चितता बढ़ गई है। अमेरिका में सितंबर में व्यापार और आर्थिक नीति दोनों में अनिश्चितता बढ़ी। बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बावजूद, वैश्विक विकास, क्षणभंगुर कारकों की सहायता से, व्यापक रूप से 2025 की पहली छमाही में स्थिर रहा।¹ वैश्विक वित्तीय बाजार की गतिविधियों ने नीतिगत अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद व्यापक रूप से आशावाद और वृद्धि का प्रदर्शन किया। इस माहौल में, अक्तूबर 2025 के आईएमएफ के विश्व आर्थिक दृष्टिकोण ने अपने 2025 के वैश्विक विकास अनुमान को संशोधित किया, लेकिन यह अभी भी 2024 की तुलना में मंदी को दर्शाता है। इसके अलावा, विकास के दृष्टिकोण के लिए जोखिम नीचे की ओर झुका हुआ है।

* यह आलेख रेखा मिश्र, आशीष थॉमस जॉर्ज, शशि कांत, रजनी दहिया, ऊर्जा यादव, अनुपम कुमार, यामिनी झांब, जेसिका मारिया एंथोनी, सत्यार्थ सिंह, आयुषी खंडेलवाल, ऐडम अभिन्नू यादव, ऋषभ कुमार, सत्येंद्र कुमार, राधिका सिंह, सुगंधी डी, शिवम, निलावा दास, आगमनी साहा, अयान पॉल, श्रेया भान, अदनीश कुमार, अमित पवार, अपेक्षा शर्मा, पलक गोयल, अधिरा सी.ए., खुशी सिन्हा और अजय कुमार द्वारा तैयार किया गया है। डॉ. पूनम गुप्ता, उप गवर्नर द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन और टिप्पणियों को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया जाता है। पल्लवी चव्हाण, जोइस जॉन और पवन गोपालकृष्णन द्वारा सहकर्मि समीक्षा को भी स्वीकार किया जाता है। इस आलेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

¹ इनमें उच्च अमेरिकी आयात शुल्क की प्रत्याशा में व्यापार प्रवाह और खपत की फ्रंट-लोडिंग शामिल है।

सितंबर में वैश्विक आर्थिक गतिविधि रुकी रही। वैश्विक समग्र क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में सितंबर में विस्तार हुआ, जो उत्पादन और नए व्यवसाय में वृद्धि से प्रेरित है।

प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में इक्विटी बाजार, बिग टेक के कारण आशावाद द्वारा समर्थित, सितंबर में यूएस फेड की मौद्रिक सहजता और कम कीमतों पर ऊर्जा प्राप्त हुई। हालांकि, अक्तूबर के महीने में बिकवाली का दबाव बढ़ा क्योंकि अमेरिका-चीन व्यापार तनाव और लंबे समय तक अमेरिकी सरकार के बंद रहने से निवेशकों की धारणा कम हो गई। बॉण्ड बाजार में, फेड की नीतिगत दर में कटौती और अमेरिका-चीन व्यापार तनाव के बढ़ने के बाद अमेरिकी सरकार के बॉण्ड प्रतिफल में गिरावट आई। प्रमुख उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) में पोर्टफोलियो प्रवाह सितंबर में कम हो गया क्योंकि चुनौतीपूर्ण बाहरी वातावरण के बीच देश-विशिष्ट जोखिमों के कारण इक्विटी खंड में बहिर्वाह देखा गया।

पण्य कीमतें आम तौर पर कमजोर रहीं। हालांकि, सुरक्षित निवेश मांग के कारण कीमती धातुओं की कीमतों में मजबूती आई। कच्चे तेल की कीमतें कम हो गईं, मध्य पूर्व में युद्धविराम और 2026 में आपूर्ति की अधिकता का पूर्वानुमान था।²

मुद्रास्फीति के रुझान अर्थव्यवस्थाओं में अलग-अलग रहे, क्योंकि प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाएं (एई) मुद्रास्फीति के लक्ष्य स्तर से ऊपर रहने के साथ जूझती रहीं, जबकि प्रमुख ईएमडीई ने मुद्रास्फीति का अनुभव किया। वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू अर्थव्यवस्थाओं में उनके संभावित स्पिलओवर को जारी रखते हुए, केंद्रीय बैंकों के मौद्रिक नीति निर्णयों पर भार जारी रहा।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने व्यापक वैश्विक अनिश्चितता और कमजोर बाहरी मांग के बीच सुदृढ़ता प्रदर्शित किया। बाहरी क्षेत्र की चुनौतियों के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ),

² तेल बाजार रिपोर्ट - अक्तूबर 2025, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी।

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) और विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के विकास अनुमान को संशोधित किया है, जो घरेलू मांग में निरंतर गति को रेखांकित करता है। उच्च आवृत्ति संकेतकों ने सुदृढ़ घरेलू आर्थिक गतिविधियों की ओर भी इशारा किया, जिसमें शहरी मांग में सुधार और मजबूत ग्रामीण मांग के संकेत हैं। कृषि क्षेत्र ने सामान्य से अधिक वर्षा और उच्च खरीफ बुवाई के कारण अपनी विकास गति को बनाए रखा। हालांकि विनिर्माण की गति थोड़ी कम हो गई, विनिर्माण और सेवाओं में व्यापार का विश्वास छह महीने के शिखर पर पहुंच गया, जो उच्च आशावाद को दर्शाता है। उपभोक्ता भावनाओं के सर्वेक्षणों के अनुसार, वर्तमान अवधि और आने वाले वर्ष के लिए उपभोक्ता विश्वास में भी सुधार हुआ है।³ केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय मजबूत गति से बढ़ता रहा। हालांकि, प्राप्तियों में मंदी का अनुभव हुआ। गैर-तेल घाटे में वृद्धि के कारण सितंबर में पण्य व्यापार घाटा बढ़कर 13 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

सितंबर में हेडलाइन मुद्रास्फीति जून 2017 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई और लगातार आठवें महीने लक्ष्य से नीचे रही। खाद्य पदार्थों में अपस्फीति हेडलाइन मुद्रास्फीति में नरमी का प्रमुख चालक था। मुख्य मुद्रास्फीति (खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति को छोड़कर) में वृद्धि हुई, जो सोने की कीमत मुद्रास्फीति के संयुक्त प्रभाव के साथ-साथ आवास मुद्रास्फीति में बड़ी वृद्धि को दर्शाती है।

मौद्रिक नीति समिति ने अक्तूबर 2025 की अपनी द्विमासिक समीक्षा में नीतिगत रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा और अपने तटस्थ रुख को जारी रखा। यथास्थिति बनाए रखना इस विचार पर आधारित था कि पिछली एकबारगी नीति में ढील का प्रसारण अभी तक पूरी तरह से नहीं हुआ था, और अगली नीतिगत कार्रवाई से पहले उभरती व्यापक आर्थिक स्थिति के बारे में अधिक स्पष्टता की आवश्यकता थी।

³ <https://www.rbi.org.in/Scripts/PublicationsView.aspx?id=23428>; <https://www.rbi.org.in/Scripts/PublicationsView.aspx?id=23429>

सितंबर के उत्तरार्ध में थोड़ी सख्ती के बाद अक्तूबर (16 अक्तूबर तक) में कुल मिलाकर घरेलू वित्तीय स्थिति नरम रही। इस अवधि के दौरान प्रणालीगत चलनिधि औसतन अधिशेष में रही। भारत औसत मांग दर - मौद्रिक नीति का परिचालन लक्ष्य - सितंबर और अक्तूबर में नीतिगत रेपो दर के करीब रहा था। खजाना बिलों पर औसत प्रतिफल कम हो गया, जबकि जमा प्रमाण पत्र और वाणिज्यिक पत्रों पर औसत प्रतिफल में बढ़ोतरी हुई। नियत आय खंड में, जबकि सरकारी प्रतिभूति पर प्रतिफल के अल्पावधि में गिरावट आई, लंबे समय तक प्रतिफल स्थिर रहा। कॉरपोरेट बॉण्ड प्रतिफल और स्प्रेड अवधि तथा रेटिंग स्पेक्ट्रम में बढ़ गए।

एच-1बी वीजा शुल्क में बढ़ोतरी और अमेरिका द्वारा नए शुल्क लगाए जाने से निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से सितंबर के दूसरे पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद, बैंकिंग क्षेत्र की सुदृढ़ता और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने, ऋण के प्रवाह में सुधार करने, व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने और उपभोक्ता संतुष्टि को बढ़ाने के उद्देश्य से रिजर्व बैंक के विनियामकीय सुधारात्मक उपायों के कारण आशावाद के बीच अक्तूबर की शुरुआत में बाजारों में तेजी आई। सितंबर में द्वितीयक बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों ने लाभ को समर्थन दिया। हालांकि, प्राथमिक इक्विटी बाजार में नए सिरे से भागीदारी और ऋण खंड में निरंतर निवेश के कारण निवल एफपीआई प्रवाह अक्तूबर में धनात्मक रहा।

आईएनआर में सितंबर में मूल्यहास देखा गया, साथ ही अस्थिरता के चरण भी देखे गए। प्रमुख बाहरी भेद्यता संकेतक मार्च के अंत की तुलना में जून के अंत में बाह्य ऋण-से-जीडीपी अनुपात और निवल अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति (आईआईपी)-से-जीडीपी अनुपात में मजबूत होने के साथ सुधार भी देखे गए हैं।

इस पृष्ठभूमि के अंतर्गत, उक्त आलेख के शेष भाग को चार खंडों में संरचित किया गया है। खंड II में वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से विकसित हो रही गतिविधियों को शामिल किया गया है। खंड III घरेलू व्यापक आर्थिक स्थितियों का आकलन प्रदान करता है। खंड IV भारत में वित्तीय स्थितियों को समाहित करता है, जबकि खंड V निष्कर्ष प्रस्तुत करता है।

II. वैश्विक स्थिति

वैश्विक अनिश्चितता बढ़ गई है। अमेरिका में सितंबर में व्यापार और आर्थिक नीति दोनों में अनिश्चितता बढ़ी। बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बावजूद, 2025 की पहली छमाही में वैश्विक विकास व्यापक रूप से रुका रहा, जो अमेरिकी टैरिफ समायोजन से पहले एकबारगी व्यापार और निवेश गतिविधि द्वारा समर्थित थी। वैश्विक विकास की गति, आगे चलकर, मध्यम होने का अनुमान है क्योंकि अस्थायी बढ़ावा फीका पड़ जाता है और संरचनात्मक चुनौतियां फिर से उभर रही हैं।

अक्तूबर 2025 के आईएमएफ के विश्व आर्थिक आउटलुक ने 2024 की तुलना में 2025 में धीमी वैश्विक वृद्धि के अपने अनुमान को बरकरार रखा, जिसमें जोखिमों का संतुलन नीचे की ओर झुका गया। 2025 के लिए वैश्विक विकास अनुमान को जुलाई प्रेस विज्ञप्ति के सापेक्ष 20 आधार अंक (बीपीएस) से 3.2 प्रतिशत तक संशोधित किया गया था, जो मुख्य रूप से एच 1 वृद्धि के प्रभाव को दर्शाता है। अमेरिका, ब्रिटेन, यूरो क्षेत्र और जापान सहित प्रमुख आई के लिए विकास अनुमानों को ऊपर की ओर संशोधित किया गया था। ईएमडीई में, भारत के नेतृत्व में उत्पादन वृद्धि मजबूत रही, जिसे सुदृढ़ घरेलू मांग से लाभ मिला।

ओईसीडी के अंतरिम आर्थिक आउटलुक (सितंबर 2025) ने भी 2025 के लिए वैश्विक विकास अनुमानों को 30 बीपीएस बढ़ाकर 3.2 प्रतिशत कर दिया, जो वर्ष की पहली छमाही में सुदृढ़ता को दर्शाता है (सारणी II.1)। आईएमएफ के दृष्टिकोण

सारणी II.1: वैश्विक जीडीपी संवृद्धि प्रक्षेपण – चुनिंदा आई और ईएमडीई
(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)

संगठन के लिए प्रक्षेपण	आईएमएफ				ओईसीडी			
	2025		2026		2025		2026	
प्रक्षेपण का महीना	अक्तू	जुला	अक्तू	जुला	सितं	जून	सितं	जून
विश्व	3.2	3.0	3.1	3.1	3.2	2.9	2.9	2.9
उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ	1.6	1.5	1.6	1.6				
यूएस	2.0	1.9	2.1	2.0	1.8	1.6	1.5	1.5
यूके	1.3	1.2	1.3	1.4	1.4	1.3	1.0	1.0
यूरो क्षेत्र	1.2	1.0	1.1	1.2	1.2	1.0	1.0	1.2
जापान	1.1	0.7	0.6	0.5	1.1	0.7	0.5	0.4
उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ	4.2	4.1	4.0	4.0				
रूस	0.6	0.9	1.0	1.0	1.0	1.0	0.7	0.7
उभरता और विकासशील एशिया	5.2	5.1	4.7	4.7				
भारत#	6.6	6.4	6.2	6.4	6.7	6.3	6.2	6.4
चीन	4.8	4.8	4.2	4.2	4.9	4.7	4.4	4.3
लैटिन अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र	2.4	2.2	2.3	2.4				
मेक्सिको	1.0	0.2	1.5	1.4	0.8	0.4	1.3	1.1
ब्राज़िल	2.4	2.3	1.9	2.1	2.3	2.1	1.7	1.6
उप-सहारा अफ्रीका	4.1	4.0	4.4	4.3				
दक्षिण अफ्रीका	1.1	1.0	1.2	1.3	1.1	1.3	1.3	1.4

टिप्पणी: #: भारत के आंकड़े वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) के आधार पर हैं।

स्रोत: आईएमएफ, वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक, अक्तूबर 2025; और ओईसीडी इकोनॉमिक आउटलुक, सितंबर 2025।

को प्रतिध्वनित करते हुए, ओईसीडी और विश्व बैंक दोनों ने आगाह किया कि अमेरिकी टैरिफ उपायों और सुस्त नीतिगत अनिश्चितता का पूरा प्रभाव अभी सामने नहीं आया है, जिससे वैश्विक दृष्टिकोण के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा हो रहा है।

अगस्त में वैश्विक अनिश्चितता और बढ़ गई। संभावित सरकारी शटडाउन के कारण राजनीतिक और राजकोषीय चिंताओं के बीच, अमेरिकी आर्थिक और व्यापार नीति अनिश्चितता सूचकांकों में सितंबर में वृद्धि हुई।⁴ सितंबर में अमेरिका और प्रमुख ईएमडीई में वित्तीय बाजार में उतार-चढ़ाव काफी हद तक स्थिर रहा। हालांकि, यह अक्टूबर में देश के विशिष्ट घटनाक्रमों पर बढ़ गया, जिसमें फ्रांस में राजनीतिक अनिश्चितता, अमेरिका में सरकार बंद और नए सिरे से व्यापार तनाव (चार्ट II.1ए और II.1बी) शामिल हैं।

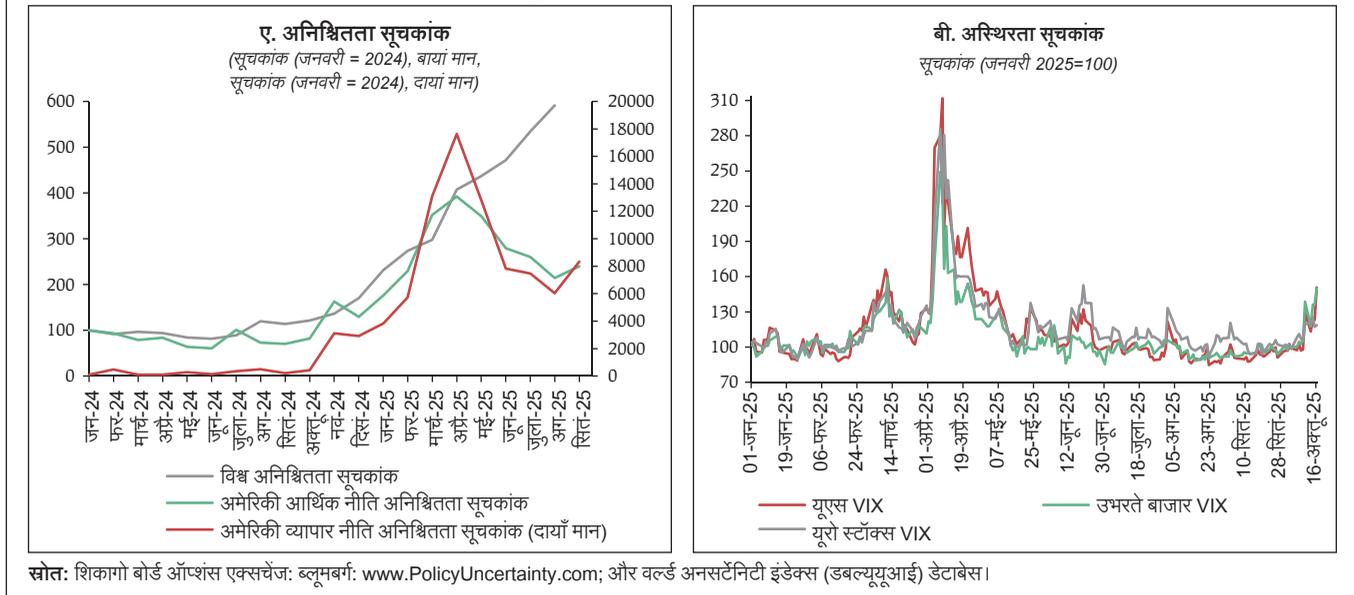
उत्पादन और नए कारोबार में वृद्धि से प्रेरित वैश्विक समग्र पीएमआई में सितंबर में विस्तार हुआ, हालांकि यह थोड़ी धीमी गति से था। विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों ने विस्तार का संकेत दिया, जिसमें सेवा क्षेत्र विनिर्माण क्षेत्र से आगे निकल रहा है। वैश्विक मांग में कमी के बीच, नए निर्यात ऑर्डर लगातार छोटे

महीने संकुचित हुए। जबकि सेवा निर्यात आदेशों ने मामूली विस्तार दर्ज किया, विनिर्माण निर्यात आदेशों में अनुबंध जारी रहा (सारणीII.2)।

पीएमआई सूचकांकों के अनुसार, सितंबर में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और यूरोज़ोन सहित प्रमुख एई में आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हुआ। प्रमुख ईएमडीई में, भारत और चीन में आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हुआ, जबकि ब्राजील और रूस में यह सिकुड़ता रहा (चार्ट II.2 ए)। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में नए निर्यात आदेशों में गिरावट आई, जो बाहरी मांग में कमी को दर्शाता है, जबकि उन्होंने भारत और चीन में विस्तार दर्ज किया (चार्ट II.2बी)।

सितंबर में वैश्विक जिंग्सों की कीमतों में आम तौर पर गिरावट दर्ज की गई। सोने और धातु की कीमतों में तेजी आई, जबकि खाद्य और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई। खाद्य कीमतों में कमी के रूप में चीनी, डेयरी, अनाज, और वनस्पति तेल की कीमतों में गिरावट मांस की कीमतों में वृद्धि की भरपाई से अधिक (चार्ट II.3ए) से संतुलित रही। मध्य पूर्व में युद्धविराम और 2026 में आपूर्ति की अधिकता के पूर्वानुमान के कारण

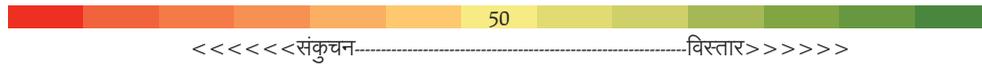
चार्ट II.1: बनी हुई आर्थिक और व्यापार नीति अनिश्चितता



⁴ आर्थिक नीति अनिश्चितता (ईपीयू) सूचकांक भविष्य की आर्थिक नीतियों के आसपास अनिश्चितता के स्तर को मापता है, जो प्रमुख समाचार पत्रों के आलेखों में "अर्थव्यवस्था," "नीति" और "अनिश्चितता" जैसे विशिष्ट कीवर्ड की आवृत्ति से प्राप्त होता है। व्यापार नीति अनिश्चितता सूचकांक सरकारी व्यापार नीति निर्णयों की अप्रत्याशितता को मापता है। विश्व अनिश्चितता सूचकांक (डब्ल्यूआई) की गणना इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट की विभिन्न देशों की रिपोर्ट में "अनिश्चित" शब्द (या इसके प्रकार) के प्रतिशत की गणना करके की जाती है।

सारणी II.2: वैश्विक संयुक्त पीएमआई में वृद्धि हुई, किन्तु निर्यात आदेश कमजोर रहे

	सितं-24	अक्तू-24	नव-24	दिसं-24	जन-25	फर-25	मार्च-25	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25
पीएमआई संयुक्त	51.9	52.3	52.4	52.6	51.8	51.5	52.1	50.8	51.2	51.7	52.5	52.9	52.4
पीएमआई विनिर्माण	48.7	49.4	50.1	49.6	50.1	50.6	50.3	49.8	49.5	50.4	49.7	50.9	50.8
पीएमआई सेवाएँ	52.9	53.1	53.1	53.8	52.2	51.5	52.7	50.8	52	51.8	53.5	53.3	52.8
पीएमआई निर्यात आदेश	48.5	48.9	49.3	48.7	49.6	49.7	50.1	47.5	48.0	49.1	48.5	48.9	49.6
पीएमआई निर्यात आदेश विनिर्माण	47.5	48.3	48.6	48.2	49.4	49.6	50.1	47.3	48.0	49.2	48.2	48.7	49.5
पीएमआई निर्यात आदेश सेवाएँ	51.6	50.7	51.3	50.3	50.2	50.2	50.1	48.2	47.9	48.7	49.4	49.3	50.1



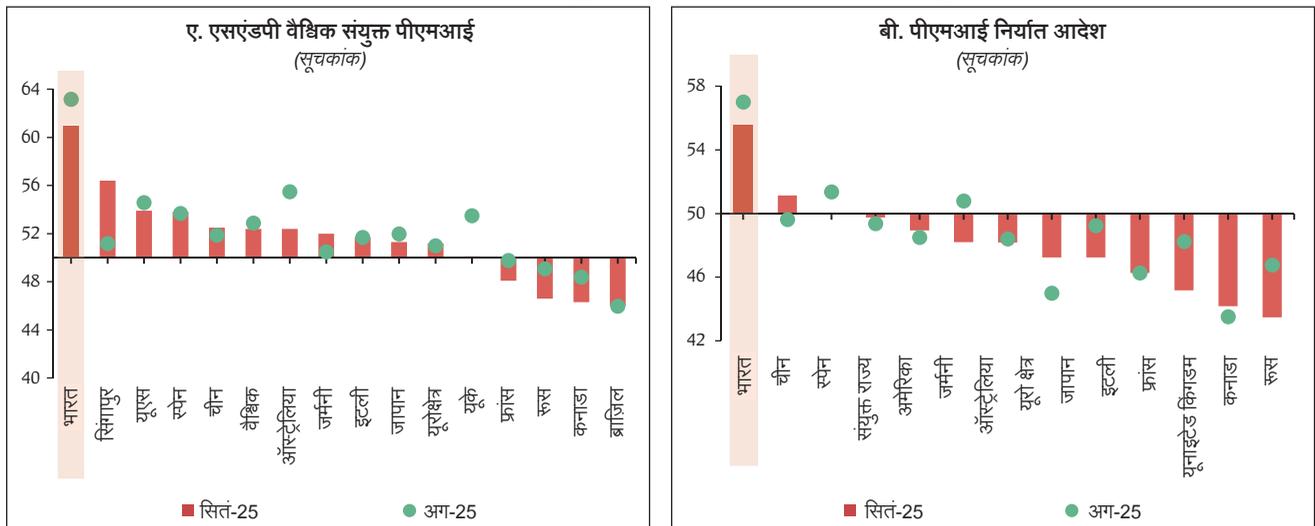
टिप्पणियाँ: 1. क्रय प्रबंधन सूचकांक (पीएमआई), एक प्रसार सूचकांक है, जो पिछले महीने की तुलना में प्रत्येक चर में हुए बदलाव को दिखाता है, यह बताता है कि प्रत्येक चर बढ़ा/सुधरा है, गिरा/बिगड़ा है या कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। पीएमआई मान > 50 का अर्थ है बढ़ोतरी; <50 का अर्थ है संकुचन; और =50 का अर्थ है 'कोई परिवर्तन नहीं'।
 2. हीट मैप अप्रैल 2023 से सितंबर 2025 तक के डेटा पर लागू होता है। मैप कलर कोड है- लाल सबसे कम मान को दिखाता है, पीला 50 (या कोई परिवर्तन नहीं मान को) दिखाता है, और हरा प्रत्येक पीएमआई श्रेणी में सबसे अधिक मान को दिखाता है।

स्रोत: एसएंडपी ग्लोबल।

अक्तूबर में कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई⁵ व्यापार तनाव, यूरो क्षेत्र से कमजोर आर्थिक आंकड़े, अमेरिकी राजकोषीय अनिश्चितता और फेड दर में कटौती की उम्मीदों (चार्ट II.3ए और II.3बी) के बीच सोने की कीमतों में सुरक्षित-हेवन मांग पर मजबूती आई।

मुद्रास्फीति के रुझान अर्थव्यवस्थाओं में अलग-अलग रहे, क्योंकि प्रमुख ई मुद्रास्फीति के साथ अपने लक्ष्य स्तर से ऊपर बने रहे, जबकि प्रमुख ईएमडीई ने मुद्रास्फीति का अनुभव किया। अमेरिका में, सीपीआई मुद्रास्फीति जनवरी 2025 के बाद से अपने उच्चतम स्तर तक पहुंच गई, हालांकि मुख्य मुद्रास्फीति

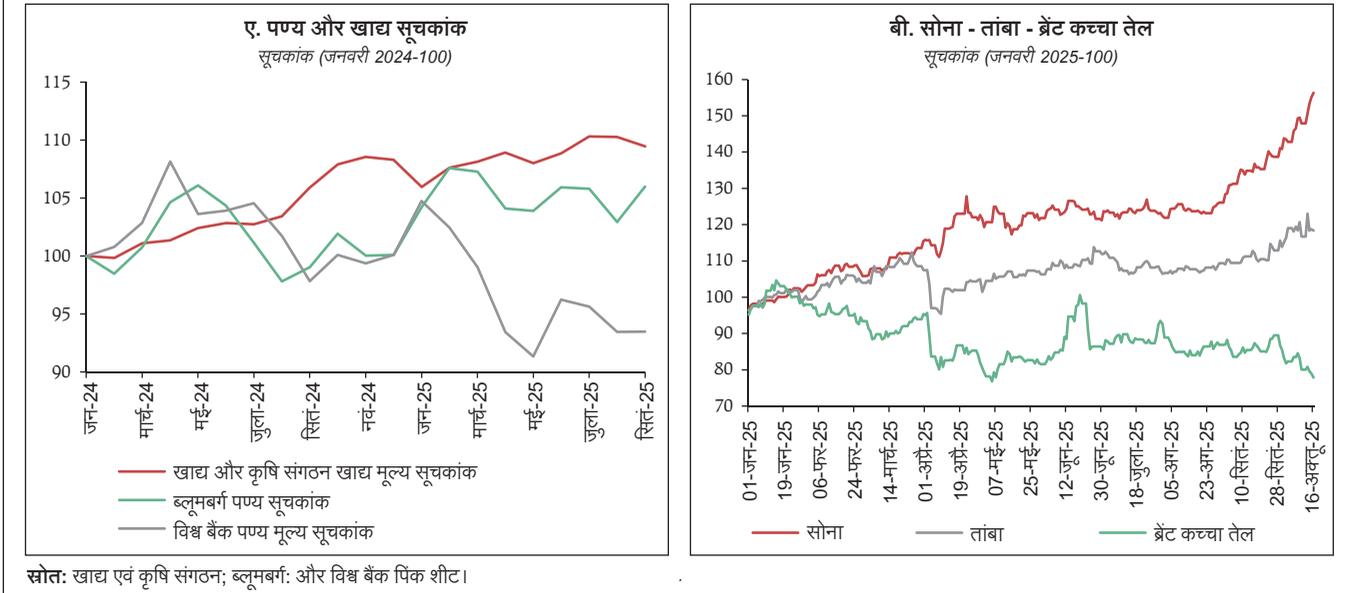
चार्ट II.2: क्रय प्रबंधन सूचकांक: विभिन्न क्षेत्राधिकारों में तुलना



टिप्पणी: 50 का मान गतिविधि में कोई परिवर्तन नहीं दिखाता है, 50 से ऊपर का मान बताता है कि गतिविधि बढ़ रही है।
स्रोत: एसएंडपी ग्लोबल।

⁵ तेल बाजार रिपोर्ट - अक्तूबर 2025, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी।

चार्ट II. 3: पण्य और खाद्य वस्तुओं की कीमतें

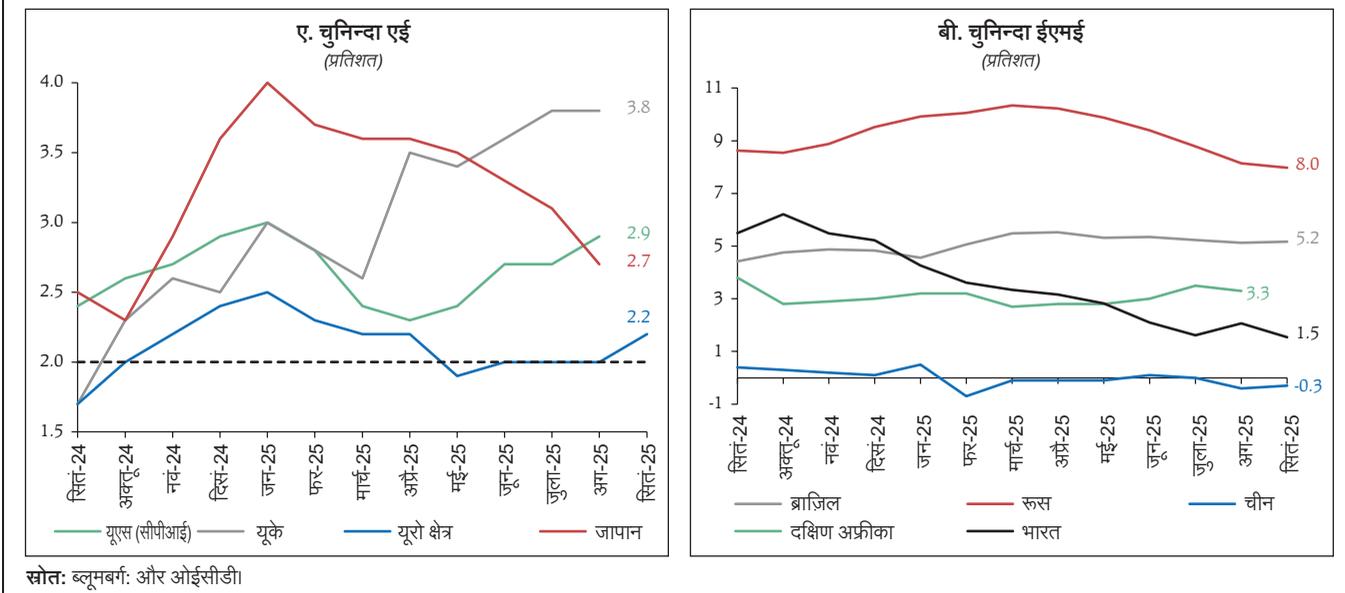


स्थिर रही। यूरो क्षेत्र में, सितंबर में हेडलाइन मुद्रास्फीति बढ़ी, जो खाद्य और सेवाओं के लिए उच्च कीमतों से प्रेरित थी। यूके ने जनवरी 2024 के बाद से अपनी उच्चतम मुद्रास्फीति दर दर्ज की, जबकि जापान में, हेडलाइन मुद्रास्फीति नवंबर 2024 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई (चार्ट II.4)। प्रमुख ईएमडीई में, ब्राजील में मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि देखी गई। चीन सितंबर में लगातार दूसरे महीने अपस्फीति क्षेत्र में बना रहा। रूस में, मुद्रास्फीति, हालांकि एक मध्यम पथ पर है,

लक्ष्य से काफी ऊपर बनी हुई है। अगस्त में दक्षिण अफ्रीका की मुद्रास्फीति कम हो गई (चार्ट II.4बी)।

प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं, विशेष रूप से अमेरिका में इक्विटी बाजारों में सितंबर में तेजी आई, जो बिग टेक, यूएस फेड की मौद्रिक सहजता और कम ऊर्जा कीमतों के कारण उत्पन्न आशावाद से समर्थित है। हालांकि, अक्टूबर के महीने में बिकवाली का दबाव देखा गया क्योंकि अमेरिका-चीन व्यापार तनाव और

चार्ट II.4: अर्थव्यवस्थाओं में अलग-अलग महंगाई की प्रवृत्ति



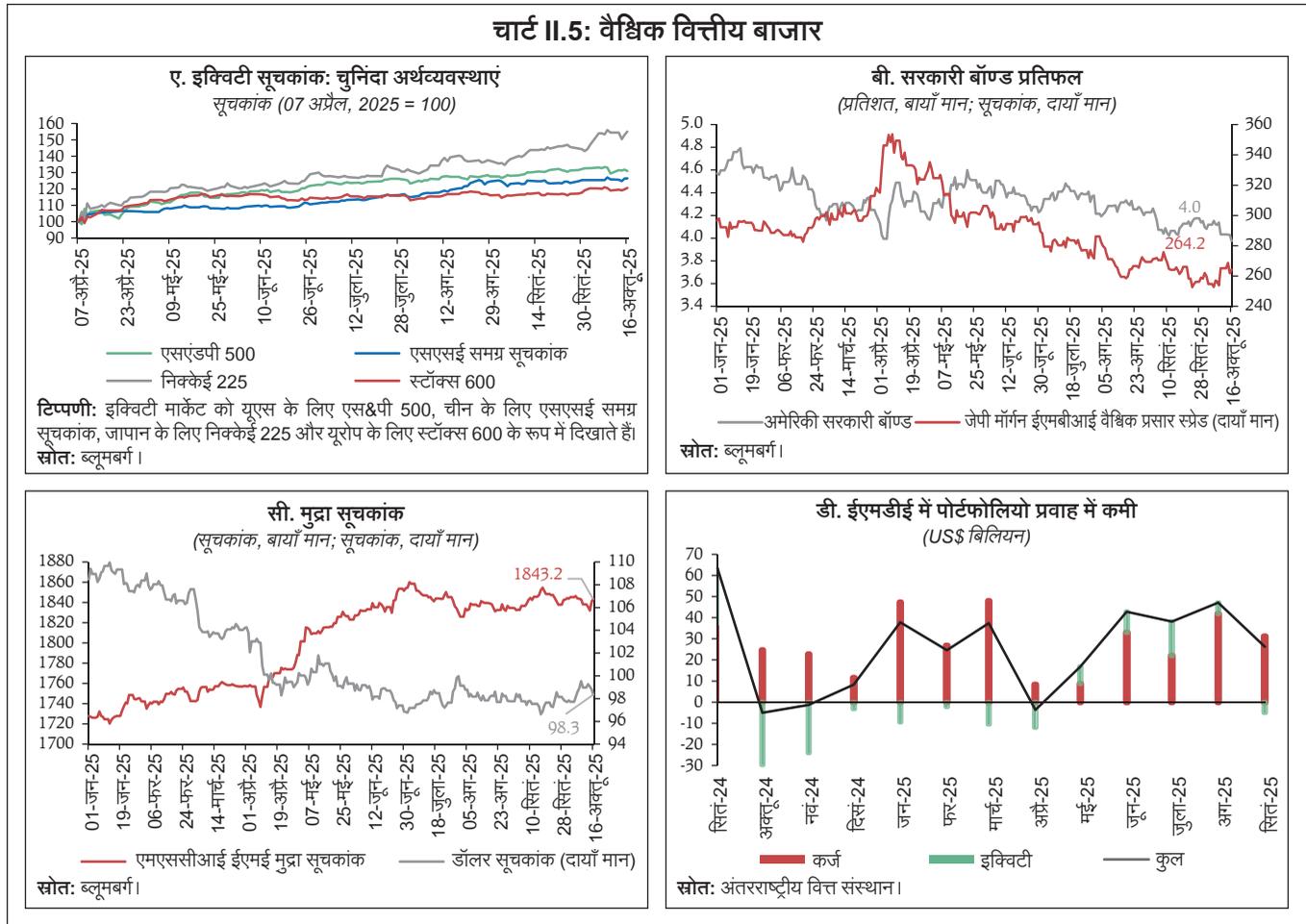
अमेरिकी सरकार के लंबे समय तक बंद रहने के कारण निवेशकों मनोबल कम हो गया। यूरो क्षेत्र में, इक्विटी ने मामूली लाभ पोस्ट किया, जो यूएस फेड की मौद्रिक सहजता और क्षेत्र-विशिष्ट रैलियों द्वारा समर्थित था, हालांकि दूसरी तिमाही के कमजोर जीडीपी डेटा और नए सिरे से व्यापार तनाव द्वारा ऊपर की ओर सीमित किया गया था। जापानी इक्विटी ने कमजोर येन और लंबे समय तक उदार मौद्रिक नीति रुख की उम्मीदों पर लाभ उठाया, लेकिन राजनीतिक अनिश्चितता, नए सिरे से व्यापार तनाव और एक मजबूत येन पर अक्टूबर में बिकवाली का दबाव देखा। चीन में, इक्विटी बाजार व्यापक रूप से सीमाबद्ध बने रहे क्योंकि व्यापार अनिश्चितता और कमजोर घरेलू आर्थिक संकेतकों ने निवेशकों के मनोबल को कमजोर किया, जिसे सरकारी प्रोत्साहन से समर्थन ने संतुलित किया (चार्ट 11.5ए)।

सितंबर में फेड की दर में कटौती के बाद बॉण्ड बाजार में अमेरिकी सरकार के बॉण्ड प्रतिफल में गिरावट आई। अमेरिका-

चीन व्यापार तनाव बढ़ने और अमेरिकी सरकार के शटडाउन (चार्ट 11.5बी) के मद्देनजर अक्टूबर में इसमें और गिरावट आई। जेपी मॉर्गन इमर्जिंग मार्केट्स बॉण्ड इंडेक्स (ईएमबीआई) सितंबर में संकुचित हो गया, जो जोखिम उठाने की क्षमता में सुधार को दर्शाता है क्योंकि प्रमुख एई में मौद्रिक सहजता और प्रमुख ईएमडीई में अनुकूल घरेलू मुद्रास्फीति की स्थिति की उम्मीदों के बीच निवेशकों के उभरते बाजार ऋण के लिए जोखिम बढ़ गया है। हालांकि, कुछ ईएमडीई में व्यापार तनावों और नीतिगत अनिश्चितता के बारे में नई आशंकाओं ने अक्टूबर में प्रसार को विस्तारित कर दिया।

सितंबर-अक्टूबर के दौरान अमेरिकी डॉलर सूचकांक सीमाबद्ध रूप से चला गया। यह शुरू में नरम श्रम आंकड़ों और बढ़ते फेड दर में कटौती की उम्मीदों पर कमजोर हुआ, लेकिन बाद में इसमें तेजी आई क्योंकि निवेशकों ने अमेरिकी राजकोषीय अनिश्चितता और अमेरिका-चीन व्यापार तनाव के बीच सुरक्षा की

चार्ट 11.5: वैश्विक वित्तीय बाजार



मौद्रिक नीति समिति ने अक्टूबर 2025 की अपनी द्विमासिक समीक्षा में नीतिगत रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा और तटस्थ रुख के साथ जारी रखा। यथास्थिति बनाए रखना इस विचार पर आधारित था कि पिछली एकबारगी मौद्रिक नीतिगत कार्रवाई में ढील का प्रसारण अभी भी जारी है, और अगला नीतिगत कदम उठाने से पहले विकसित व्यापक आर्थिक स्थिति के बारे में अधिक स्पष्टता की आवश्यकता है। रिजर्व बैंक ने बैंकिंग क्षेत्र की सुदृढ़ता और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने, ऋण के प्रवाह में सुधार करने, व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने और उपभोक्ता संतुष्टि को बढ़ाने के उद्देश्य से कई विनियामकीय सुधार उपायों की भी घोषणा की ⁷।

सकल मांग

समग्र आर्थिक गतिविधि के लिए उच्च-आवृत्ति संकेतक सितंबर में मजबूत रहे। जीएसटी सुधारों से उत्साहित त्योहारी मौसम से पहले कारोबारियों के कारोबार में तेजी के साथ जीएसटी ई-वे बिल सृजन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया।

यद्यपि, बिजली की मांग स्थिर रही, पेट्रोलियम की खपत ने गति पकड़ी। डिजिटल भुगतान ने मात्रा और मूल्य में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की (सारणी III.1)। सितंबर 2025 में औसत दैनिक भुगतान मूल्य में वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक की सबसे तेज महीने-दर-महीने वृद्धि देखी गई। यह संभवतः त्योहारी मौसम की मांग में महत्वपूर्ण वृद्धि को प्रतिबिंबित कर सकता है, जो जीएसटी दरों में कटौती और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ऑफर से सहायता प्राप्त कर सकता है।

सितंबर के दौरान, समग्र मांग की स्थिति में सुधार के संकेत दिखाई दिए। ग्रामीण मांग मजबूत बनी हुई है, जैसा कि अच्छे मानसून और मजबूत कृषि गतिविधि के कारण दोपहिया वाहनों और ऑटोमोबाइल की बिक्री में वृद्धि से पता चलता है। शहरी मांग ने यात्री वाहनों की बिक्री के साथ पुनरुद्धार के कुछ संकेत दिखाए, जिसमें छह महीने में उनकी उच्चतम वृद्धि दर्ज की गई (सारणी III.2)।⁸

सारणी III.1: उच्च आवृत्ति संकेतक - मजबूत आर्थिक गतिविधि

	सितं-24	अक्टू-24	नव-24	दिसं-24	जन-25	फर-25	मार्च-25	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25
जीएसटी ई-वे बिल	18.5	16.9	16.3	17.6	23.1	14.7	20.2	23.4	18.9	19.3	25.8	22.4	21.0
जीएसटी राजस्व	6.5	8.9	8.5	7.3	12.3	9.1	9.9	12.6	16.4	6.2	7.5	6.5	9.1
टोल संग्रह	6.5	7.9	11.9	9.8	14.8	18.7	11.9	16.6	16.4	15.5	14.8	12.7	4.5
बिजली की मांग	-0.8	-0.4	3.7	5.1	1.3	2.4	5.7	2.8	-4.8	-2.3	2.6	3.8	3.4
पेट्रोलियम खपत	-4.4	4.1	10.6	2.0	3.0	-5.2	-3.1	0.2	0.7	0.5	-3.9	2.6	7.0
जिसमें कि													
पेट्रोल	3.0	8.7	9.6	11.1	6.7	5.0	5.7	5.0	9.2	6.8	5.9	5.5	8.0
डीजल	-1.9	0.1	8.5	5.9	4.2	-1.3	0.9	4.2	2.1	1.5	2.4	1.2	6.6
विमानन टरबाइन ईंधन	10.4	9.4	8.5	8.7	9.4	4.2	5.7	3.9	4.3	3.3	-2.3	-2.9	-0.9
डिजिटल भुगतान-मात्रा	36.3	40.3	30.1	33.1	33	26.7	30.8	30	29.2	28.3	30.9	31.1	25.4
डिजिटल भुगतान-मूल्य	21.5	27.5	9.5	19.6	18.6	9.5	17.3	18.4	12.6	17.4	16.6	5.3	13.6

<< संकुचन ----- विस्तार >>

टिप्पणियाँ: 1. सभी संकेतक के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) की गणना की गई है।
2. हीटमैप अप्रैल 2023 से सितंबर 2025 तक के डेटा पर लागू होता है। सितंबर 2025 के लिए डिजिटल भुगतान के आंकड़े अनंतिम हैं।
3. हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए आंकड़ा विस्तार को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में दर्शाया गया है, जिसमें लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है और हरा रंग संबंधित आंकड़ा श्रेणी का सबसे अधिक मान दिखाता है।

स्रोत: वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन); आरबीआई; सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए); और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार।

⁷ घोषित 22 विनियामक उपायों के समूह में व्यवसाय स्थापित करने वाले गैर-निवासियों के लिए फेमा विनियमों का सरलीकरण, बाह्य वाणिज्यिक उधार के नियमों को युक्तिसंगत बनाना और बैंकों को कॉरपोरेट अधिग्रहण को वित्तपोषित करने में सक्षम बनाना शामिल है। अधिक विवरण हेतु, देखें- https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_PressReleaseDisplay.aspx?prid=61333.

⁸ फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के अनुसार, नवरात्रि और जीएसटी में कटौती के ओवरलैप से यात्री वाहनों की बिक्री में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

सारणी III.2: उच्च आवृत्ति संकेतक- शहरी मांग का पुनरुद्धार

		सितं-24	अक्तू-24	नवं-24	दिसं-24	जन-25	फर-25	मार्च-25	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25
शहरी मांग	घरेलू हवाई यात्री यातायात	7.4	9.6	13.8	10.8	14.1	12.1	9.9	9.7	2.6	3.7	-2.5	-0.5	
	खुदरा दोपहिया वाहनों की बिक्री	-18.8	32.4	-13.7	-2.0	15.5	-10.3	6.3	1.6	-3.1	2.5	-0.8	0.9	5.8
ग्रामीण मांग	खुदरा ऑटोमोबाइल बिक्री	-9.3	32.1	11.2	-12.5	6.6	-7.2	-0.7	2.9	5.4	4.8	-4.3	2.8	5.2
	खुदरा ट्रैक्टर बिक्री	14.7	3.1	29.9	25.8	5.2	-14.5	-5.7	7.6	2.8	8.7	11.0	30.1	3.6
	खुदरा यात्री वाहन बिक्री	-8.5	36.3	15.8	-17.6	4.2	-6.3	-1.8	2.3	7.3	4.7	-6.5	2.2	6.5

<<संकुचन ----- विस्तार>>

- टिप्पणियाँ:** 1. सभी संकेतक के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) की गणना की गई है।
 2. हीटमैप अप्रैल 2023 से सितंबर 2025 तक के डेटा पर लागू होता है। सितंबर 2025 के लिए डिजिटल भुगतान के आंकड़े अनंतिम हैं।
 3. हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए आंकड़ा विस्तार को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में दर्शाया गया है, जिसमें लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है और हरा रंग संबंधित आंकड़ा श्रेणी का सबसे अधिक मान दिखाता है।

स्रोत: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण: फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए); और ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

रोजगार की स्थिति के विभिन्न संकेतकों ने एक मिश्रित तस्वीर को प्रतिबिंबित किया। पिछले दो महीनों के दौरान गिरावट के बाद अखिल भारतीय बेरोजगारी दर मामूली रूप से बढ़कर 5.2 प्रतिशत हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में लाभ के कारण श्रम बल भागीदारी दर और श्रमिक जनसंख्या अनुपात मई के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। विनिर्माण और सेवा दोनों के लिए पीएमआई रोजगार सूचकांकों में सितंबर में कुछ

गिरावट देखी गई, लेकिन यह विस्तार क्षेत्र में रहा। Naukri JobSpeak Index के अनुसार, बीमा, रियल एस्टेट और बीपीओ/आईटीईएस में भर्ती के कारण व्हाइट-कॉलर जॉब लिस्टिंग में वृद्धि तेज हो गई है। इसके अलावा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत कार्य मांग में तीव्र गिरावट से ग्रामीण रोजगार की स्थिति में सुधार का संकेत मिलता है (सारणी III.3)।

सारणी III.3: रोजगार के लिए उच्च आवृत्ति संकेतक में मजबूती

संकेतक	सितं-24	अक्तू-24	नवं-24	दिसं-24	जन-25	फर-25	मार्च-25	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	
बेरोजगारी दर (पीएलएफएस: अखिल भारतीय)									5.1	5.6	5.6	5.2	5.1	5.2
बेरोजगारी दर (पीएलएफएस: ग्रामीण)									4.5	5.1	4.9	4.4	4.3	4.6
बेरोजगारी दर (पीएलएफएस: शहरी)									6.5	6.9	7.1	7.2	6.7	6.8
नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स	6.0	10.0	2.0	8.7	3.9	4.0	-1.5	8.9	0.3	10.5	6.8	3.4	10.1	
पीएमआई रोजगार: विनिर्माण	52.1	53.3	52.9	53.4	54.8	54.5	53.4	54.2	54.9	55.1	53.3	53.1	52.1	
पीएमआई रोजगार: सेवाएँ	53.4	54.3	56.6	55.5	56.3	56.2	52.5	53.9	57.1	55.1	51.4	52.2	51.9	
मनरेगा: काम की मांग	-13.4	-7.6	3.9	8.2	14.4	2.8	2.2	-6.5	4.4	4.4	-12.3	-26.1	-27.0	

<<संकुचन ----- विस्तार>>

- टिप्पणियाँ:** 1. सभी पीएलएफएस संकेतक मौजूदा साप्ताहिक स्थिति के अनुसार हैं और 15 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए हैं।
 2. नौकरी सूचकांक के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) की गणना की गई है।
 3. हीटमैप अप्रैल 2023 से सितंबर 2025 तक के आंकड़ों के आधार पर है।
 4. हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए आंकड़ा विस्तार को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में दर्शाया गया है, जिसमें लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है और हरा रंग संबंधित आंकड़ा श्रेणी का सबसे अधिक मान दिखाता है।
 5. सभी पीएमआई मान सूचकांक के रूप में रिपोर्ट की जाती हैं। पीएमआई मान >50 का अर्थ है बढ़ोतरी, <50 का अर्थ है संकुचन और =50 का अर्थ है 'कोई परिवर्तन नहीं'। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग सबसे कम मान दर्शाता है, पीला रंग 50 (या कोई परिवर्तन नहीं) दर्शाता है, और हरा रंग हर पीएमआई श्रेणी में सबसे अधिक मान दर्शाता है।

स्रोत: सांख्यिकी एवं योजना नियोजन मंत्रालय (एमओएसपीआई), भारत सरकार; इन्फो एज; और एस&पी ग्लोबल।

वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-अगस्त) के दौरान, केंद्र सरकार के प्रमुख घाटे के संकेतक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अधिक रहे (चार्ट III.1ए)।⁹ यह मुख्य रूप से कुल व्यय, विशेष रूप से पूंजीगत व्यय में उच्च वृद्धि के साथ-साथ कर राजस्व प्राप्तियों में गिरावट के कारण था। आयकर संग्रह में गिरावट के कारण प्रत्यक्ष कर संग्रह में मामूली कमी आई है।¹⁰ अप्रत्यक्ष कर संग्रह में वृद्धि में भी गिरावट देखी गई, क्योंकि जीएसटी संग्रह में कमी आई और सीमा शुल्क संग्रह में कमी आई।¹¹

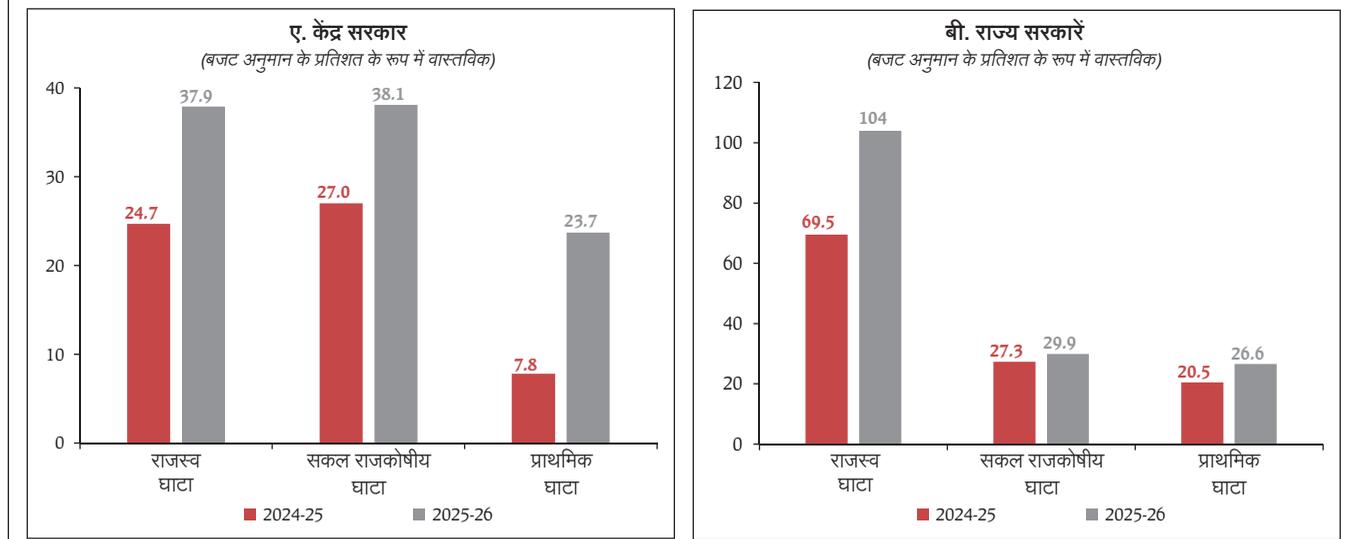
अप्रैल-अगस्त 2025 के दौरान राज्यों के प्रमुख घाटे के संकेतक भी पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अधिक थे (चार्ट III.1बी)। यह मुख्य रूप से राज्यों के जीएसटी संग्रह और बिक्री कर/वैट की वृद्धि में कमी के कारण था। राजस्व व्यय में वृद्धि में थोड़ी कमी आई, जबकि पूंजीगत व्यय में सुधार हुआ।

व्यापार

चूंकि भारत की अर्थव्यवस्था प्रमुख रूप से घरेलू स्रोतों द्वारा संचालित है, इसलिए भारत के निर्यात पर उच्च अमेरिकी शुल्क समग्र विकास के लिए एक बड़ी चिंता का विषय नहीं है। बाहरी क्षेत्र में उथल-पुथल के बावजूद, 2025-26 की पहली छमाही के दौरान भारत का पण्य व्यापार सुदृढ़ रहा। पहली छमाही के दौरान पण्य व्यापार घाटा पिछले साल की तुलना में अधिक रहा, जो मुख्य रूप से तेल और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के कारण था। अगस्त तक अमेरिका को निर्यात में तेजी आई थी, लेकिन उसके बाद इसमें गिरावट आई, जो आंशिक रूप से 50 प्रतिशत टैरिफ के प्रभाव को दर्शाता है।

हाल ही में, 25 सितंबर को, अमेरिका ने 1 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी फार्मा क्षेत्र पर 100 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की। यह टैरिफ अमेरिका में अपने विनिर्माण संयंत्र बनाने वाली कंपनियों को छोड़कर, ब्रांडेड या पेटेंट फार्मास्युटिकल उत्पादों पर लागू होगा। भारत के लिए, अमेरिका फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है।¹² भारत से अमेरिका को

चार्ट III.1: पिछले वर्ष से अधिक घाटा संकेतक (अगस्त के अंत तक)



टिप्पणी: चार्ट बी में आंकड़े 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित हैं।
स्रोत: लेखा महानियंत्रक; एवं भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक।

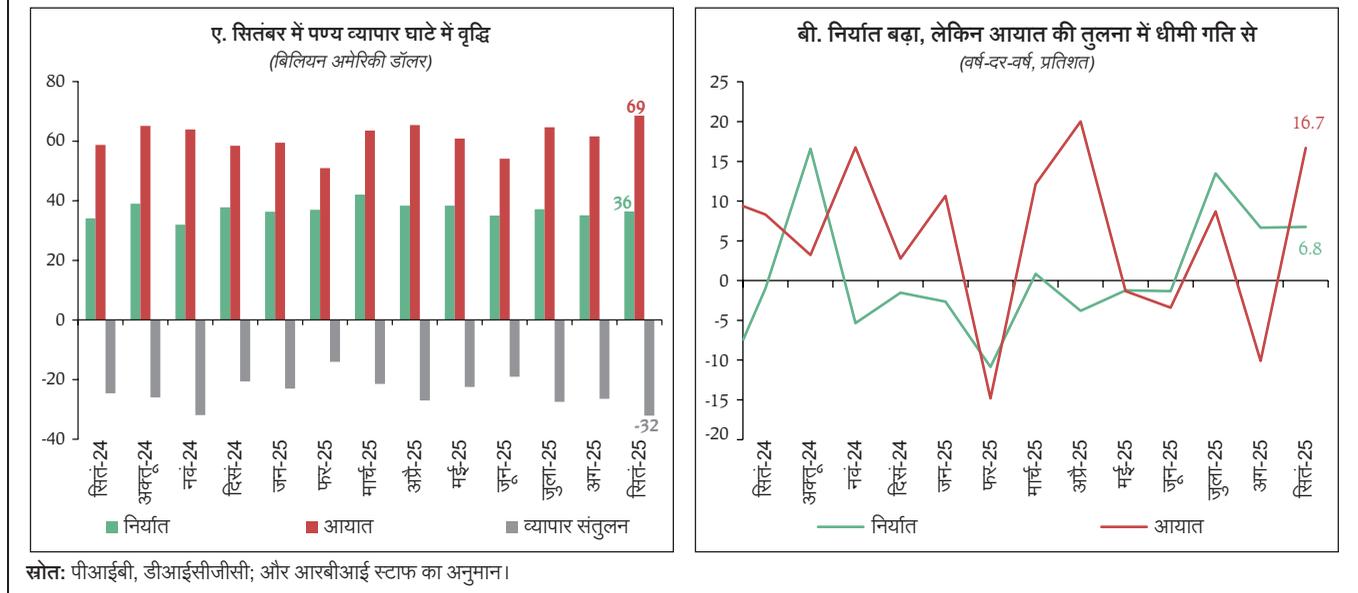
⁹ महालेखा नियंत्रक (सीजीए) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार।

¹⁰ अप्रैल-अगस्त 2025-26 में प्रत्यक्ष कर संग्रह में 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में 0.9 प्रतिशत की गिरावट आई। आयकर में 2.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि कॉर्पोरेट करों में 2.1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई।

¹¹ अप्रैल-अगस्त 2025-26 के दौरान अप्रत्यक्ष कर संग्रह में वृद्धि पिछले वर्ष की इसी अवधि के 9.4 प्रतिशत की तुलना में 2.7 प्रतिशत रही। इसी अवधि के दौरान जीएसटी संग्रह और सीमा शुल्क में वृद्धि क्रमशः 5.0 प्रतिशत और -11.9 प्रतिशत रही।

¹² भारत के कुल दवा निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 2024-25 में 34.5 प्रतिशत थी।

चार्ट III.2: भारत का पण्य व्यापार



होने वाले कुल फार्मा निर्यात में से जेनेरिक दवाएं सबसे अधिक हैं।¹³ इसलिए, अमेरिका को भारत के अधिकांश फार्मास्युटिकल निर्यात टैरिफ प्रभाव से सुरक्षित रहने की उम्मीद है।

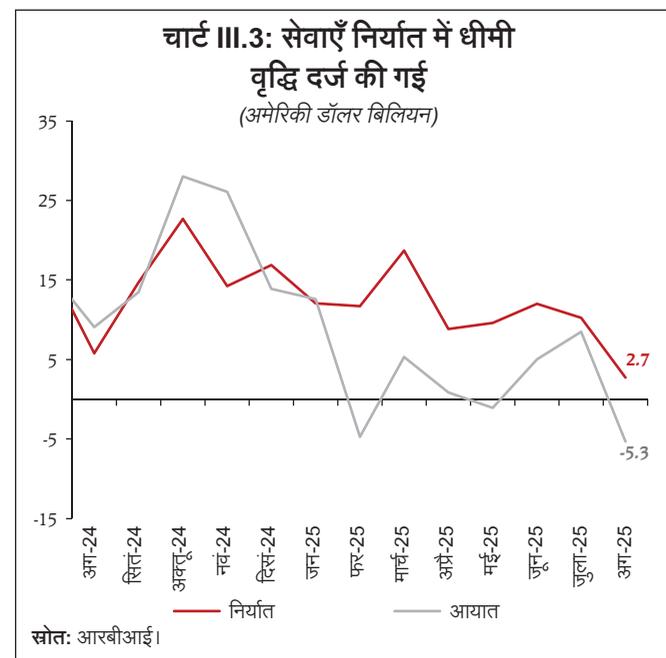
सितंबर में, बढ़ते गैर-तेल घाटे के कारण पण्य व्यापार घाटा सितंबर 2024 में 24.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 13 महीने के उच्च स्तर 32.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया (चार्ट III.2ए)।¹⁴ जबकि पण्य निर्यात में मध्यम गति से वृद्धि हुई, सितंबर में पण्य आयात में वृद्धि हुई (चार्ट III.2बी)।¹⁵

¹³ जेनेरिक दवाओं का ज्यादातर हिस्सा दवा फॉर्मूलेशन और जैविक श्रेणी में होता है, जो 2024-25 में अमेरिका को कुल फार्मा निर्यात का लगभग 92 प्रतिशत था।

¹⁴ सोने की कमी में वृद्धि के कारण सितंबर 2025 में गैर-तेल घाटा बढ़कर 23.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो एक साल पहले 14.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। कुल घाटे में गैर-तेल घाटे की हिस्सेदारी बढ़कर 71.8 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 57.0 प्रतिशत थी।

¹⁵ सितंबर में वस्तु निर्यात 36.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर [6.8 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि] रहा। इलेक्ट्रॉनिक सामान, पेट्रोलियम उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, चावल और समुद्री उत्पादों ने अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि तंबाकू, प्लास्टिक और लिनोलियम, और कपड़ा उत्पादों ने निर्यात में नकारात्मक योगदान दिया। सितंबर में वस्तुओं का आयात 68.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर [16.7 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि] था। सोना, उर्वरक (कच्चा और विनिर्मित), इलेक्ट्रॉनिक सामान, चांदी और वनस्पति तेल महीने के दौरान आयात वृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख कारक थे। पेट्रोलियम, कच्चा तेल और संबंधित उत्पाद; कोयला, कोक और ब्रिकेट; दालें, लोहा और इस्पात, और जैविक और अकार्बनिक रसायनों ने आयात को कम कर दिया।

अगस्त 2025 में सेवा क्षेत्र में व्यापार अनुकूल बना रहा। निवल सेवा निर्यात आय 12.2 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 15.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई। अगस्त में सेवा निर्यात वृद्धि में गिरावट आई, जो व्यावसायिक सेवाओं और सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात में नरमी को दर्शाता है। सेवाओं के आयात में मुख्य रूप से परिवहन सेवाओं के आयात में गिरावट के कारण कमी आई (चार्ट III.3)।



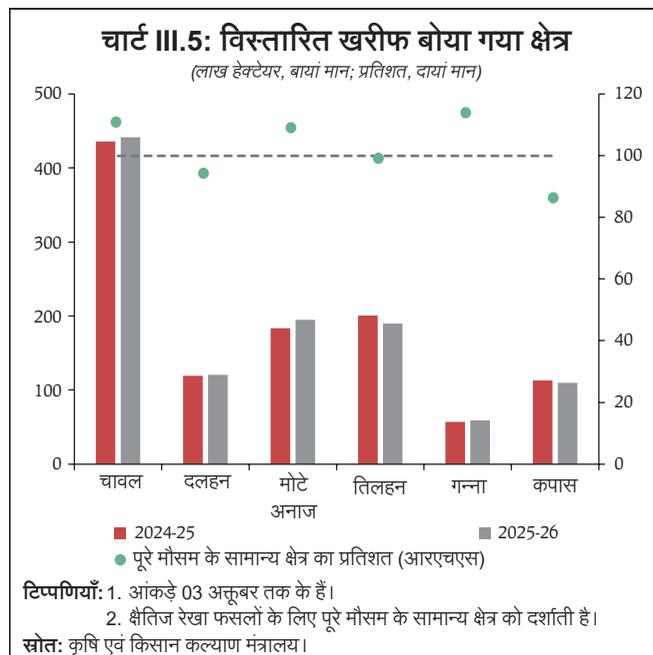
कुल आपूर्ति

कृषि

अखिल भारतीय स्तर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक रही (चार्ट III.4 ए)।¹⁶ जबकि मौसम के अंत में अत्यधिक बारिश ने खरीफ फसलों के लिए नुकसान की संभावना को बढ़ा दिया है, पर्याप्त मिट्टी की नमी और रिकॉर्ड उच्च जलाशय स्तर आगामी रबी सीजन के लिए अच्छा है (चार्ट III.4 बी)।

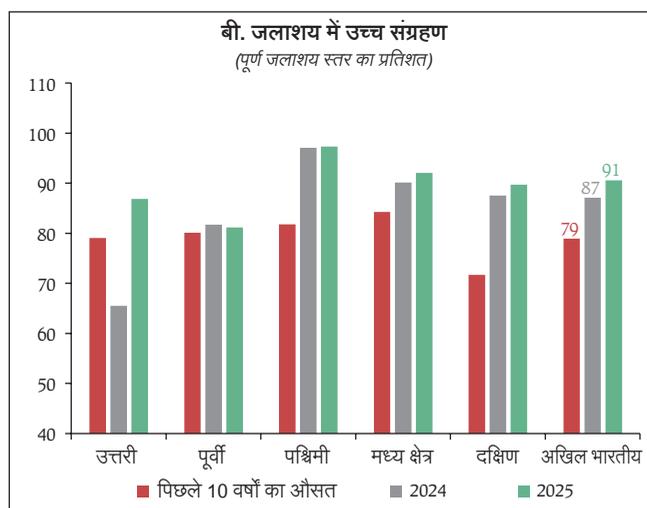
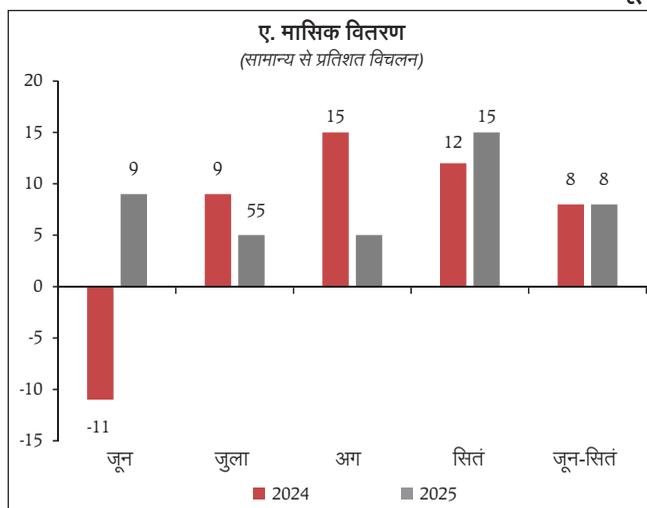
अच्छे दक्षिण-पश्चिम मानसून की सहायता से, खरीफ मौसम के तहत समग्र रकबा पिछले वर्ष के स्तर को पार कर गया (चार्ट III.5)।¹⁷ चावल, मक्का, दलहन और गन्ने के बुवाई क्षेत्र में वृद्धि देखी गई, जबकि तिलहन और कपास के क्षेत्र में गिरावट देखी गई।

मजबूत खरीद गतिविधियों के कारण सरकार के पास चावल और गेहूं का संयुक्त स्टॉक संतोषजनक बना हुआ है।¹⁸ 01 अक्टूबर को घोषित रबी विपणन मौसम (अप्रैल 2026 से मार्च



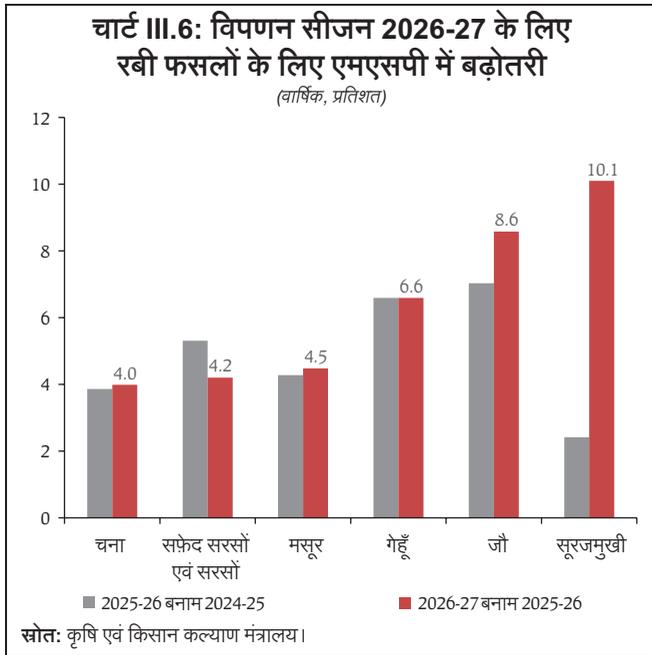
2027) के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करते हुए किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने का प्रयास करती है (चार्ट III.6)।¹⁹

चार्ट III.4: दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की बारिश सामान्य से ज्यादा रही



टिप्पणी: 1. हालांकि दक्षिण-पश्चिम मानसून की असली आखिरी तारीख थोड़ी अलग हो सकती है, लेकिन भारतीय मौसम विभाग 30 सितंबर को अधिकारिक आखिरी तारीख मानता है।
2. 16 अक्टूबर, 2025 तक जलाशय का स्तर।
स्रोत: भारत मौसम विज्ञान विभाग और केंद्रीय जल आयोग।

¹⁶ इसके अलावा, मानसून के बाद संचयी वर्षा (01-16 अक्टूबर) पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान सामान्य से 3 प्रतिशत कम की तुलना में सामान्य से 23 प्रतिशत अधिक रही है।
¹⁷ 03 अक्टूबर 2025 तक, खरीफ का कुल रकबा 1121.5 लाख हेक्टेयर था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.6 प्रतिशत अधिक और पूरे सीजन के सामान्य रकबे से 2.3 प्रतिशत अधिक था।
¹⁸ 01 अक्टूबर 2025 तक, सार्वजनिक स्टॉक बफर मानक का 2.5 गुना था। 15 अक्टूबर 2025 तक, धान की संचयी खरीद पिछले वर्ष की इसी तारीख के 29.4 लाख टन के मुकाबले 64.9 लाख टन थी।
¹⁹ 01 अक्टूबर 2025 को घोषित रबी विपणन सीजन (अप्रैल 2026 से मार्च 2027) के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को 4.0 प्रतिशत (चने के लिए) से 10.1 प्रतिशत (कुसुम के लिए) के बीच बढ़ाया गया है।



उद्योग

अगस्त में, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में साल-दर-साल बदलाव से मापी गई औद्योगिक गतिविधि में

वृद्धि, विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में गिरावट के बाद पिछले महीने की तुलना में कम हो गई।

सितंबर के लिए उपलब्ध उच्च-आवृत्ति संकेतक मजबूत विनिर्माण गतिविधि का सुझाव देते हैं। पीएमआई विनिर्माण सूचकांक के तहत कारोबारी प्रत्याशाएँ सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं, जो जीएसटी सुधारों के बारे में आशावाद से प्रेरित है। कच्चे और तैयार इस्पात के उत्पादन में तेजी आई है, जो बुनियादी ढांचे और निर्माण गतिविधियों में नए सिरे से गति को दर्शाती है। यात्री वाहन खंड की अगुवाई में सितंबर में वाहन उत्पादन में दहाई अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। स्थिर घरेलू मांग, निर्यात में तेज वृद्धि के साथ-साथ इस क्षेत्र की मजबूत गति को बनाए रखा। आगे, त्योहारी मांग की गति और जीएसटी दर में कटौती से उत्पादन को और बढ़ावा मिलने और सामर्थ्य बढ़ने की उम्मीद है (सारणी III.4)।

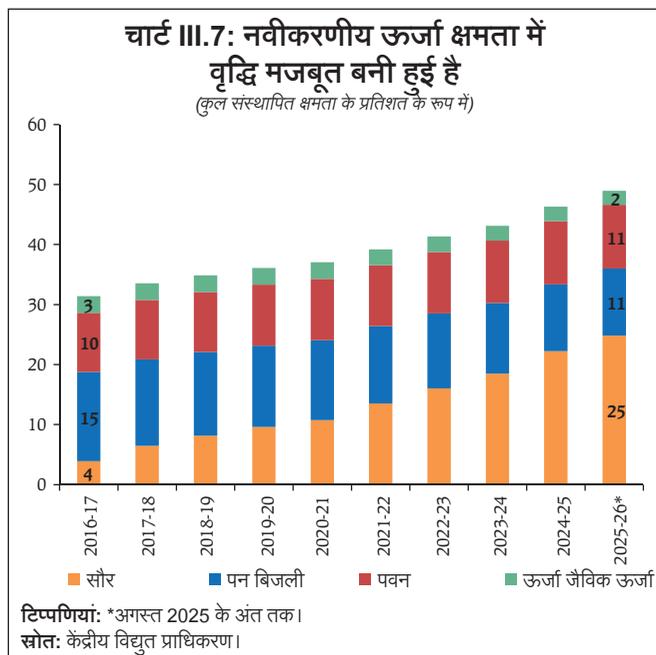
सारणी III.4: उद्योग के लिए उच्च आवृत्ति संकेतक में मजबूत वृद्धि हुई

संकेतक	सितं-24	अक्तू-24	नवं-24	दिसं-24	जन-25	फर-25	मार्च-25	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25
आईआईपी हेडलाइन	3.2	3.7	5.0	3.7	5.2	2.7	3.9	2.6	1.9	1.5	4.3	4.0	
आईआईपी विनिर्माण	4.0	4.4	5.5	3.7	5.8	2.8	4.0	3.1	3.2	3.7	6.0	3.8	
आईआईपी पूंजीगत वस्तुएं	3.5	2.9	8.9	10.5	10.2	8.2	3.6	14.0	13.3	3.0	6.8	4.4	
पीएमआई विनिर्माण	56.5	57.5	56.5	56.4	57.7	56.3	58.1	58.2	57.6	58.4	59.1	59.3	57.7
पीएमआई निर्यात आदेश	52.9	53.6	54.6	54.7	58.6	56.3	54.9	57.6	56.9	60.6	57.3	56.1	56.5
पीएमआई विनिर्माण: भविष्य का आउटपुट	61.6	62.1	65.5	62.5	65.1	64.9	64.4	64.6	63.1	62.2	57.6	60.5	64.8
आठ कोर सूचकांक	2.4	3.8	5.8	5.1	5.1	3.4	4.5	1.0	1.2	2.2	3.7	6.3	
बिजली उत्पादन: पारंपरिक	-1.3	0.5	2.7	4.5	-1.3	2.4	4.8	-1.8	-8.2	-6.1	-0.8	1.0	0.7
बिजली उत्पादन: नवीकरणीय	12.5	14.9	19.0	17.9	31.9	12.2	25.2	28.0	18.2	28.7	26.4	22.7	
ऑटोमोबाइल उत्पादन	10.1	10.0	8.0	1.3	9.4	2.3	6.5	-1.7	5.2	1.2	10.7	8.1	10.8
यात्री वाहन उत्पादन	-3.4	-4.0	6.5	9.2	3.7	4.5	11.2	10.8	5.4	-1.8	0.1	-4.1	16.1
ट्रैक्टर उत्पादन	2.7	0.4	24.7	20.9	23.7	-7.8	18.5	20.5	9.1	9.8	11.5	9.4	23.0
दोपहिया वाहनों का उत्पादन	12.9	13.3	8.8	-0.6	10.3	1.6	5.6	-4.1	4.7	1.4	12.3	10.0	9.8
तिपहिया वाहनों का उत्पादन	3.9	-6.7	-5.5	7.6	16.2	6.5	6.0	4.1	16.9	8.6	24.0	15.8	15.9
कच्चे इस्पात का उत्पादन	0.3	4.2	4.5	8.3	7.4	6.0	8.5	9.3	11.0	12.6	13.8	12.7	15.0
तैयार इस्पात उत्पादन	0.7	4.0	2.8	5.3	6.7	6.7	10.0	6.6	7.0	10.9	13.8	13.8	14.7
पूंजीगत वस्तुओं का आयात	10.9	7.0	4.7	6.1	15.5	-0.5	8.6	24.6	15.7	3.4	12.0	-1.4	10.1

<<संकुचन विस्तार>>

टिप्पणियाँ: 1. वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) सभी संकेतक (पीएमआई को छोड़कर) के लिए गणना की गई है।
 2. हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए आंकड़ा विस्तार को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में दर्शाया गया है, जिसमें लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है और हरा रंग संबंधित आंकड़ा श्रेणी का सबसे अधिक मान दिखाता है।
 3. हीटमैप, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, आठ कोर सूचकांक और विद्युत उत्पादन: नवीकरणीय को छोड़कर, जहाँ आकड़े अगस्त 2025 तक के हैं; अप्रैल 2023 से सितंबर 2025 तक के आंकड़ों पर आधारित है।
 4. सभी पीएमआई मान सूचकांक के रूप में रिपोर्ट की जाती हैं। पीएमआई मान >50 का अर्थ है बढ़ोतरी, <50 का अर्थ है संकुचन और =50 का अर्थ है 'कोई परिवर्तन नहीं'। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग सबसे कम मान दर्शाता है, पीला रंग 50 (या कोई परिवर्तन नहीं) दर्शाता है, और हरा रंग हर पीएमआई श्रेणी में सबसे अधिक मान दर्शाता है।

स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई); एस&पी ग्लोबल: केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए); ऊर्जा मंत्रालय: ऑटोमोबाइल निर्माता सोसाइटी (एसआईएम); आर्थिक सलाहकार कार्यालय, भारत सरकार: संयुक्त संयंत्र समिति; वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय; और ट्रैक्टर और मशीनीकरण संघ।



समय के साथ, कुल स्थापित क्षमता, विशेष रूप से सौर ऊर्जा (चार्ट III.7)²⁰ में नवीकरणीय क्षमता की हिस्सेदारी में लगातार वृद्धि हुई है। भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन ने सितंबर

में गति पकड़ी। भारत ने अपनी पहली राष्ट्रीय भू-तापीय ऊर्जा नीति²¹ शुरू की, जो सौर और पवन ऊर्जा की रुक-रुक कर होने वाली अवधि को पूरा करने के लिए अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो के एक प्रमुख विविधीकरण का प्रतिनिधित्व करती है। प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा घटकों पर जीएसटी में कमी के साथ राजकोषीय नीति भी हरित परिवर्तन के लिए अधिक सहायक बन गई।²² यह स्वच्छ ऊर्जा को और अधिक किफायती बनाएगा और भारत में निर्मित नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों की प्रतिस्पर्धात्मकता को भी बढ़ाएगा।

सेवाएँ

भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियों ने सितंबर में सुदृढ़ता दिखाई। पीएमआई सेवाओं ने व्यावसायिक गतिविधि में मजबूत विस्तार दिखाना जारी रखा। कंटेनरीकृत कार्गो और कोयले में वृद्धि के कारण बंदरगाह यातायात में वृद्धि में तेजी आई, जबकि खुदरा वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री स्थिर रही। इस्पात की खपत में वृद्धि स्थिर रही (सारणी III.5)।

सारणी III.5: सेवाओं के लिए उच्च आवृत्ति सूचकांकों ने सुदृढ़ता प्रदर्शित की

संकेतक	सितं-24	अक्तू-24	नवं-24	दिसं-24	जन-25	फर-25	मार्च-25	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25
पीएमआई सेवाएँ	57.7	58.5	58.4	59.3	56.5	59.0	58.5	58.7	58.8	60.4	60.5	62.9	60.9
अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात	11.2	10.3	10.7	9.0	11.1	7.7	6.8	13.0	5.0	3.4	5.5	7.7	
घरेलू हवाई माल दुलाई	14.0	8.9	0.3	4.3	6.9	-2.5	4.9	16.6	2.3	2.6	4.8	7.1	
अंतरराष्ट्रीय हवाई कार्गो	20.5	18.4	16.1	10.5	7.1	-6.3	3.3	8.6	6.8	-1.2	4.2	4.5	
बंदरगाह माल यातायात	5.8	-3.4	-5.0	3.4	7.6	3.6	13.3	7.0	4.3	5.6	4.0	2.5	11.5
खुदरा वाणिज्यिक वाहन बिक्री	-10.4	6.4	-6.1	-5.2	8.2	-8.6	2.7	-1.0	-3.7	6.6	0.2	8.6	2.7
होटल में कमरों की बुकिंग की संख्या	2.1	-5.3	11.1	-0.2	1.2	0.6	1.9	7.2	-2.8	-0.3	-2.4	-3.1	
स्टील की खपत	11.2	8.1	9.5	5.2	10.9	10.9	13.6	6.0	8.1	9.3	7.3	10.0	9.1
सीमेंट उत्पादन	7.6	3.1	13.1	10.3	14.3	10.7	12.2	6.3	9.7	8.2	11.6	6.1	

< संकुचन विस्तार >>

- टिप्पणियाँ:**
- वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) सभी संकेतक (पीएमआई को छोड़कर) के लिए गणना की गई है।
 - हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए आंकड़ा विस्तार को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में दर्शाया गया है, जिसमें लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है और हरा रंग संबंधित आंकड़ा श्रेणी का सबसे अधिक मान दिखाता है।
 - हीटमैप, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय एयर कार्गो, अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री ट्रैफिक, होटल कमरा बुकिंग और सीमेंट उत्पादन के अलावा, जहां आंकड़े अगस्त 2025 तक के हैं; अप्रैल 2023 से सितंबर 2025 तक के आंकड़ों के आधार पर तैयार किया गया है।
 - अगस्त 2025 के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री ट्रैफिक की वृद्धि दर के आंकड़ें प्रतिदिन के आंकड़ों के आधार पर समेकित करके तैयार किया जाता है।
 - सभी पीएमआई मान सूचकांक के रूप में रिपोर्ट की जाती हैं। पीएमआई मान >50 का अर्थ है बढ़ोतरी, <50 का अर्थ है संकुचन और =50 का अर्थ है 'कोई परिवर्तन नहीं'। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग सबसे कम मान दर्शाता है, पीला रंग 50 (या कोई परिवर्तन नहीं) दर्शाता है, और हरा रंग हर पीएमआई श्रेणी में सबसे अधिक मान दर्शाता है।

स्रोत: फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए): भारतीय पोट संघ; एचवीएस एनारॉक; संयुक्त संयंत्र समिति; आर्थिक सलाहकार का कार्यालय; और एस&पी ग्लोबल।

²⁰अगस्त 2025 तक, देश ने जनवरी 2025 से लगभग 33 गीगावॉट की नई नवीकरणीय क्षमता जोड़ी है। संयुक्त स्थापित नवीकरणीय क्षमता अब 240 गीगावॉट से अधिक हो गई है, जो भारत को 2030 तक अपने 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म-ईंधन लक्ष्य के करीब ला देती है।

²¹ <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2167657>

²² प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा घटकों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

मुद्रास्फीति

हेडलाइन सीपीआई मुद्रास्फीति अगस्त में 2.1 प्रतिशत से सितंबर में तेजी से घटकर 1.5 प्रतिशत हो गई, जो जून 2017 के बाद से सबसे कम साल-दर-साल दर को चिह्नित करती है (चार्ट III.8)²³। हेडलाइन मुद्रास्फीति में गिरावट मुख्य रूप से खाद्य और पेय समूह के अपस्फीति क्षेत्र में वापस जाने के कारण थी।

सब्जियों, दालों और मसालों की कीमतों में गिरावट के कारण खाद्य समूह में अपस्फीति दर 1.4 प्रतिशत रही। अनाज, अंडे, तेल और वसा, फल, दूध, तैयार भोजन और गैर-मादक पेय जैसे उप-समूहों में मुद्रास्फीति कम रही। हालांकि, मांस और मछली और चीनी में मुद्रास्फीति में वृद्धि देखी गई (चार्ट III.9)।

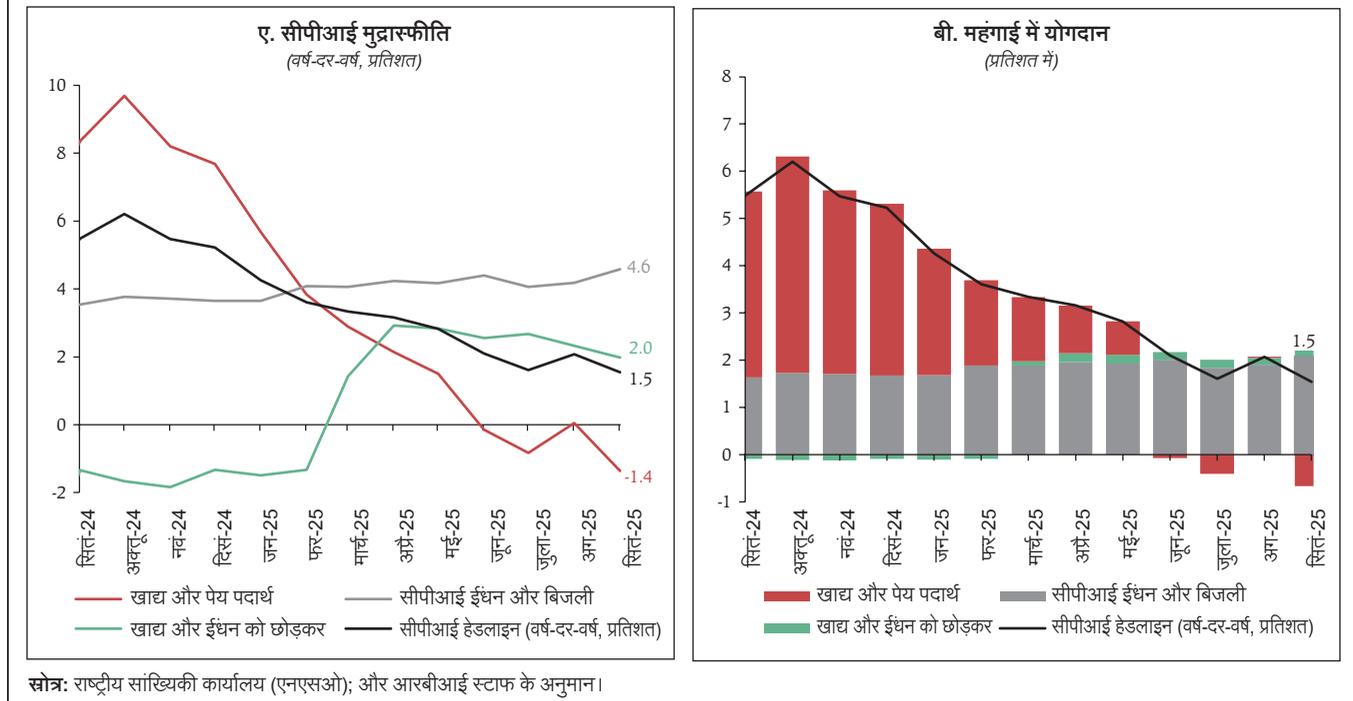
सितंबर में बिजली की कीमतों में गिरावट के कारण ईंधन और बिजली मुद्रास्फीति में कमी आई, जबकि एलपीजी के लिए मुद्रास्फीति लगातार बनी रही।

सोने और चांदी की बढ़ती कीमतों के कारण कोर (खाद्य और ईंधन को छोड़कर) मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गई, जो अगस्त में 4.2 प्रतिशत थी। आवास और पान, तंबाकू और नशीले पदार्थों की मुद्रास्फीति बढ़ने से सोने और चांदी को छोड़कर मुख्य मुद्रास्फीति भी 3.0 प्रतिशत से बढ़कर 3.2 प्रतिशत हो गई। जूते, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और संचार, और मनोरंजन और मनोविनोद उप-समूहों ने मुद्रास्फीति में कमी दर्ज की।

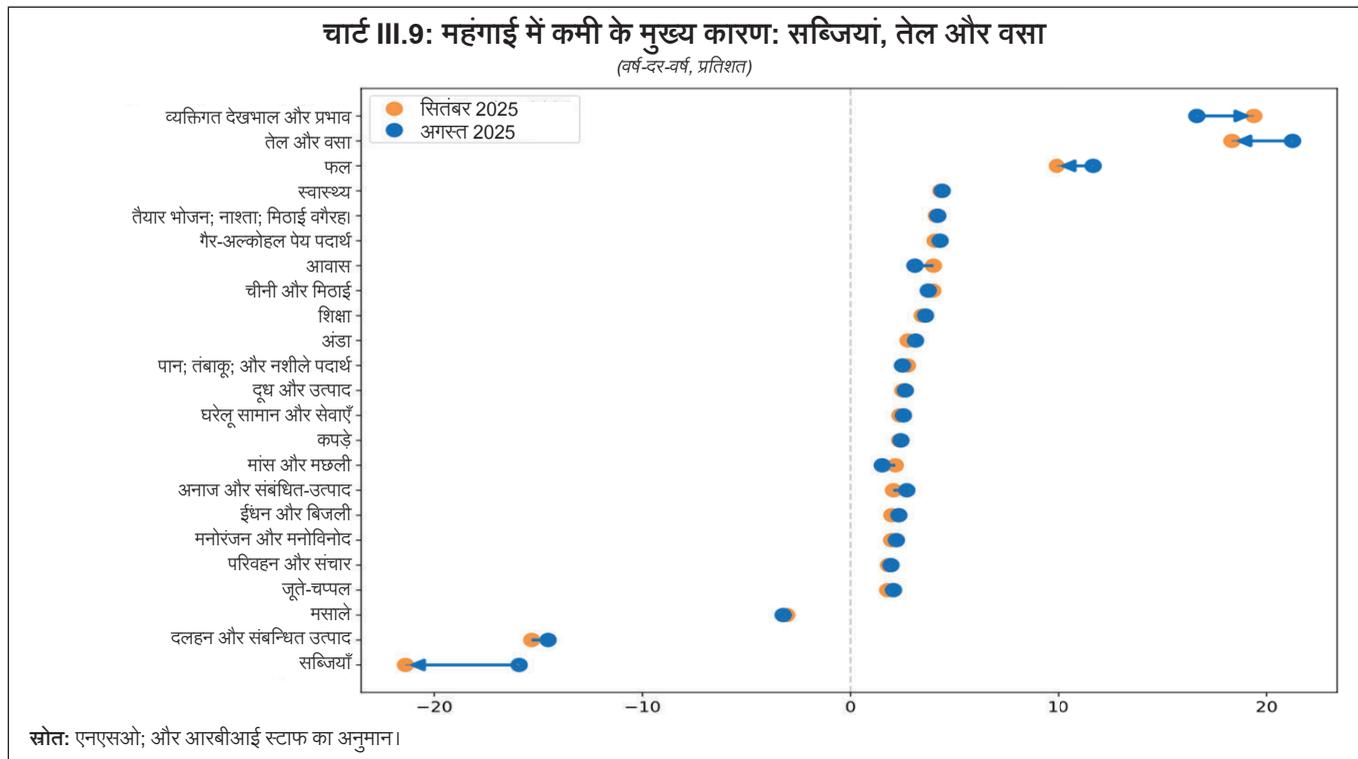
ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में मुद्रास्फीति सितंबर में घटकर क्रमशः 1.1 प्रतिशत और 2.0 प्रतिशत हो गई। जबकि राज्य स्तर की मुद्रास्फीति (-) 1.0 प्रतिशत से 9.1 प्रतिशत के बीच रही। अधिकांश राज्यों में मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत से नीचे दर्ज की गई। राज्य-स्तरीय मुद्रास्फीति दरों में एक व्यापक-आधारित कमी देखी गई, क्योंकि 26 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में मुद्रास्फीति में गिरावट आई या स्थिर रही (चार्ट III.10)।

अक्तूबर के लिए अब तक (17 तारीख तक) के लिए उच्च

चार्ट III.8: खाद्य पदार्थों की महंगाई कम होने से हेडलाइन महंगाई में कमी आई

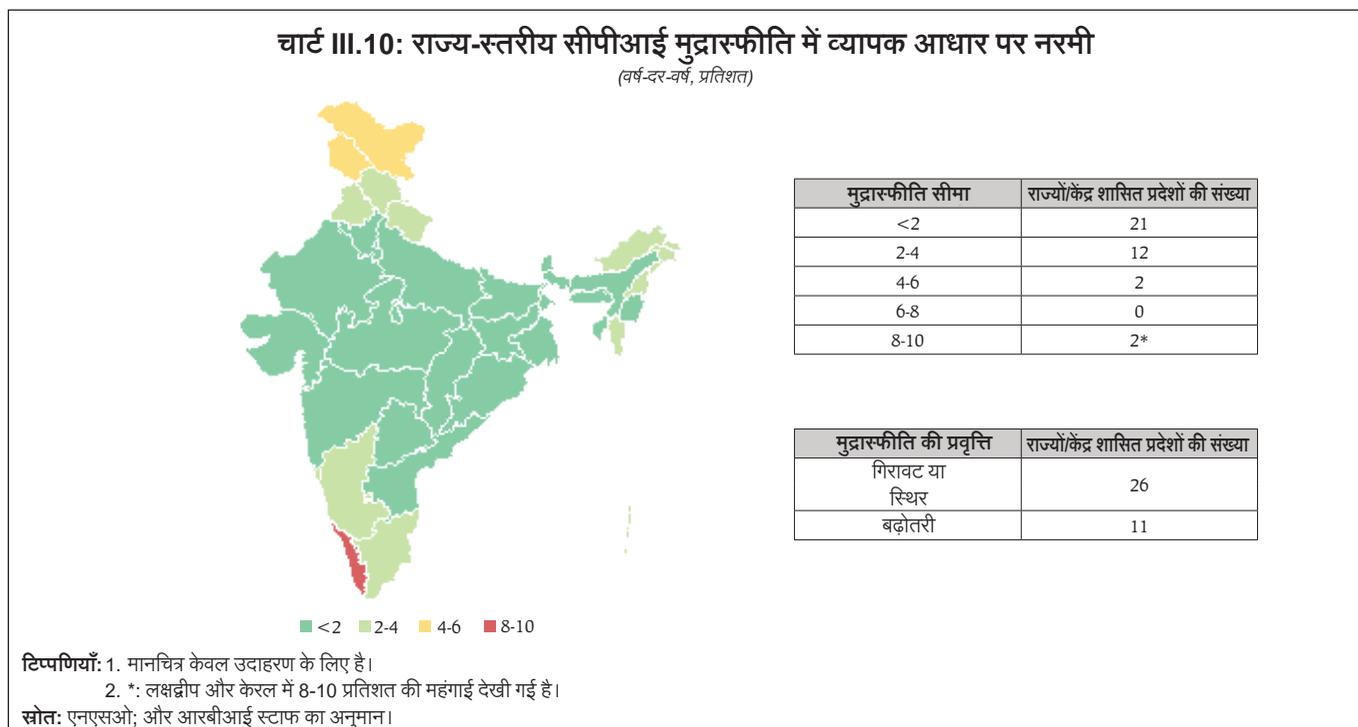


²³ हेडलाइन मुद्रास्फीति में लगभग 50 आधार अंकों (बीपीएस) की गिरावट पूरी तरह से अनुकूल (नकारात्मक) आधार प्रभाव के कारण आई जो 10 आधार अंकों की सकारात्मक गति को संतुलित करती है।

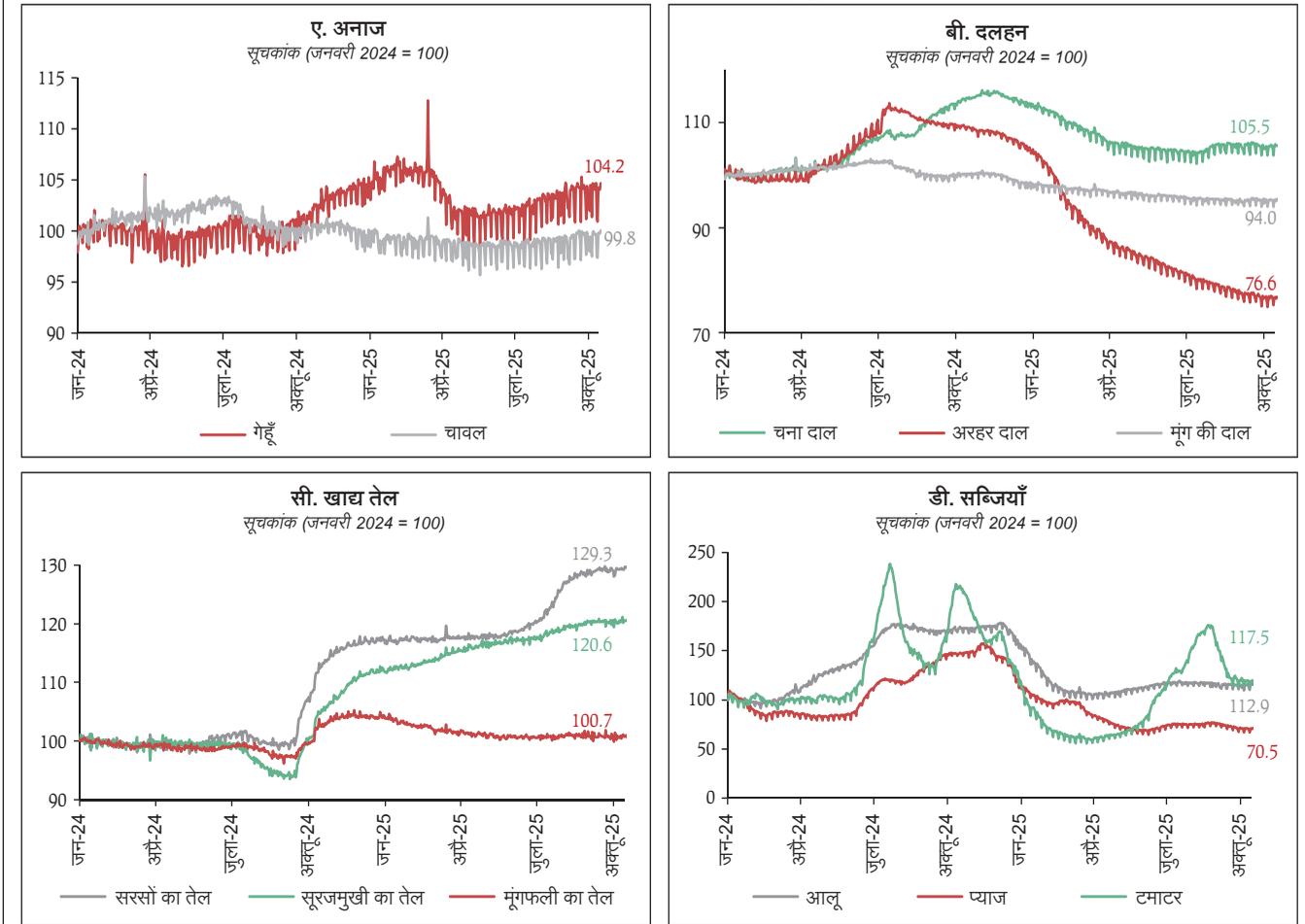


आवृत्ति वाले खाद्य मूल्य डेटा अनाज की कीमतों में उछाल की ओर इशारा करते हैं। दालों में चना दाल, अरहर दाल और मूंग दाल की कीमतों में नरमी दर्ज की गई। खाद्य तेलों में सरसों तेल, सूरजमुखी तेल और पाम तेल की कीमतों में तेजी

आई है, जबकि मूंगफली तेल की कीमतों में नरमी आई है। प्रमुख सब्जियों (टमाटर, प्याज और आलू) की कीमतें नरम हो गईं; टमाटर के लिए गिरावट सबसे अधिक स्पष्ट रही (चार्ट III.11)।



चार्ट III.11: डीसीए पण्य वस्तु मूल्य



स्रोत: उपभोक्ता मामले विभाग, भारत सरकार; और आरबीआई स्टाफ का अनुमान।

पेट्रोल और डीजल की खुदरा बिक्री कीमतों में अक्टूबर (17 तारीख तक) में कोई बदलाव नहीं हुआ। मिट्टी के तेल की कीमतों में वृद्धि देखी गई जबकि एलपीजी की कीमतें अपरिवर्तित रहीं (सारणी III.6)।

सितंबर के पीएमआई में बैटरी, कपास, इलेक्ट्रॉनिक घटक और स्टील के लिए इनपुट कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ, विनिर्माण के लिए इनपुट और आउटपुट कीमतों दोनों के विस्तार की दर में वृद्धि दर्ज की गई। इसके विपरीत, सेवा फर्मों के लिए इनपुट और बिक्री दोनों की कीमतें नए व्यवसायों और विदेशी बिक्री की वृद्धि में मंदी के कारण कम हो गईं (चार्ट III.12)।

सारणी III.6: पेट्रोलियम उत्पाद की कीमतें मोटे तौर पर वैसी ही रहीं

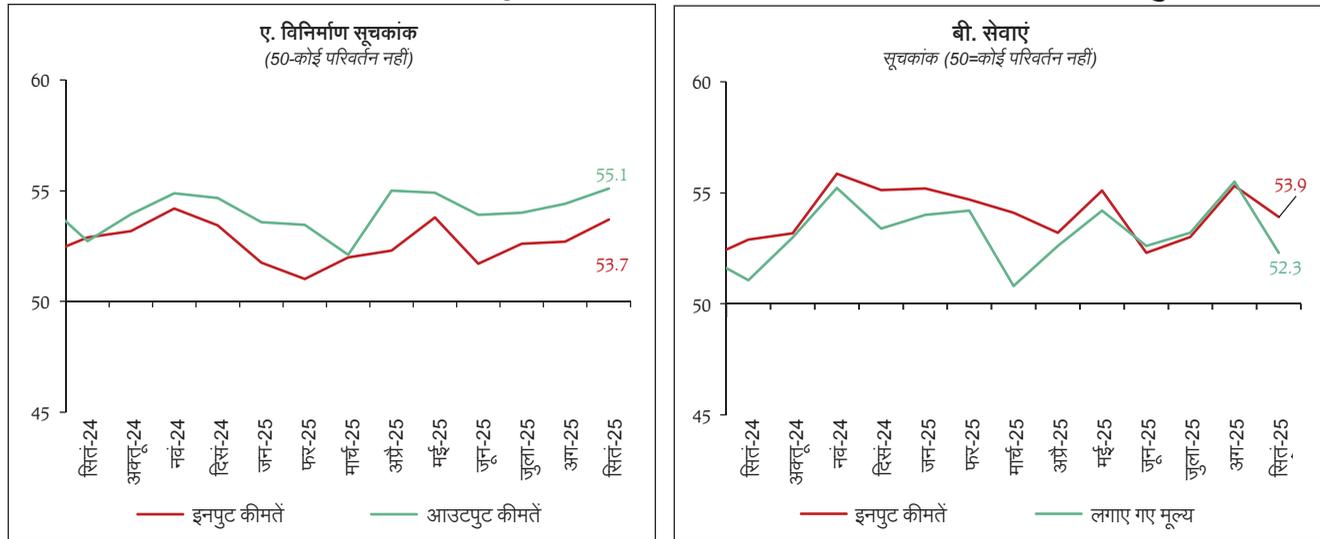
वस्तु	इकाई	घरेलू कीमतें			माह-दर-माह (प्रतिशत)	
		अक्टू-24	सितं-25	अक्टू-25 ^	सितं-25	अक्टू-25 ^
पेट्रोल	₹/लीटर	101.0	101.1	101.1	0.0	0.0
डीजल	₹/लीटर	90.4	90.5	90.5	0.0	0.0
केरोसिन (सब्सिडी वाला)	₹/लीटर	42.9	44.3	45.4	-0.5	3.4
एलपीजी (गैर-सब्सिडीवाला)	₹/सिलेंडर	813.3	863.3	863.3	0.0	0.0

टिप्पणियाँ: 1. ^: 1-17 अक्टूबर, 2025 की अवधि के लिए।

2. मिट्टी के तेल के अलावा, कीमतें चार प्रमुख महानगरों (दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई) में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की औसत कीमतों को दर्शाती हैं। मिट्टी के तेल के लिए, कीमतें कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में रियायती कीमतों के औसत को दर्शाती हैं।

स्रोत: आईओसीएल; पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी); और आरबीआई स्टाफ का अनुमान।

चार्ट III.12: विनिर्माण के लिए इनपुट कीमत का दबाव बढ़ा, लेकिन सेवा कंपनियों के लिए कम हुआ



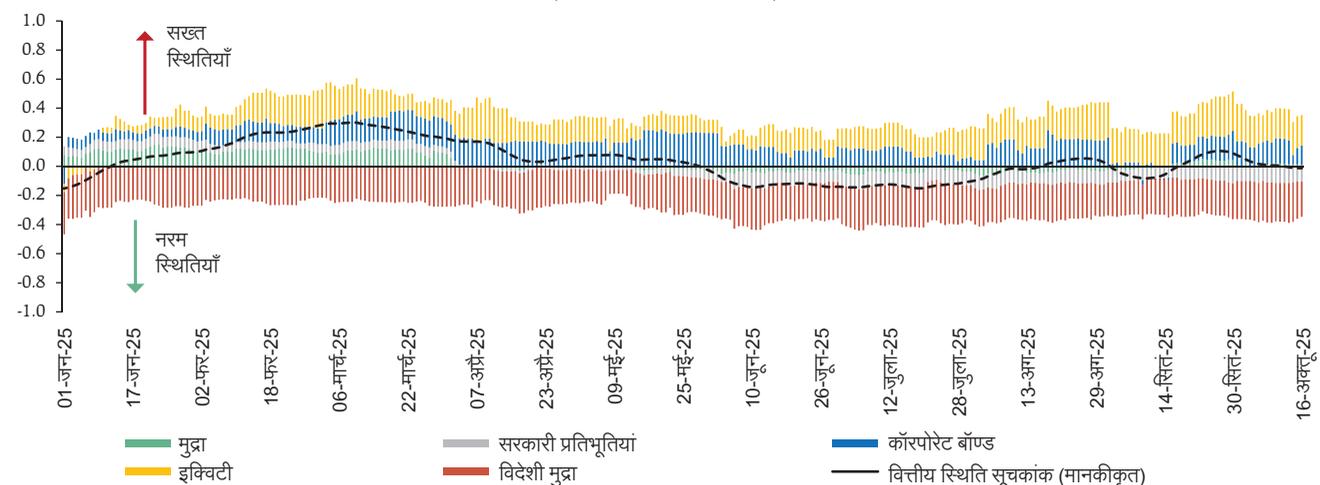
टिप्पणी: 50 का स्तर गतिविधि में कोई बदलाव नहीं करता है और 50 से ऊपर की रीडिंग विस्तार और इसके विपरीत को दर्शाती है।
स्रोत: एसएडपी।

IV. वित्तीय स्थितियाँ

सितंबर के उत्तरार्ध में कुछ तंगी के बाद, मुख्य रूप से मुद्रा, इक्विटी और कॉरपोरेट बॉण्ड बाजारों में नरमी के कारण अक्टूबर (16 तारीख तक) में समग्र वित्तीय स्थिति सौम्य बनी रही (चार्ट IV.1)।

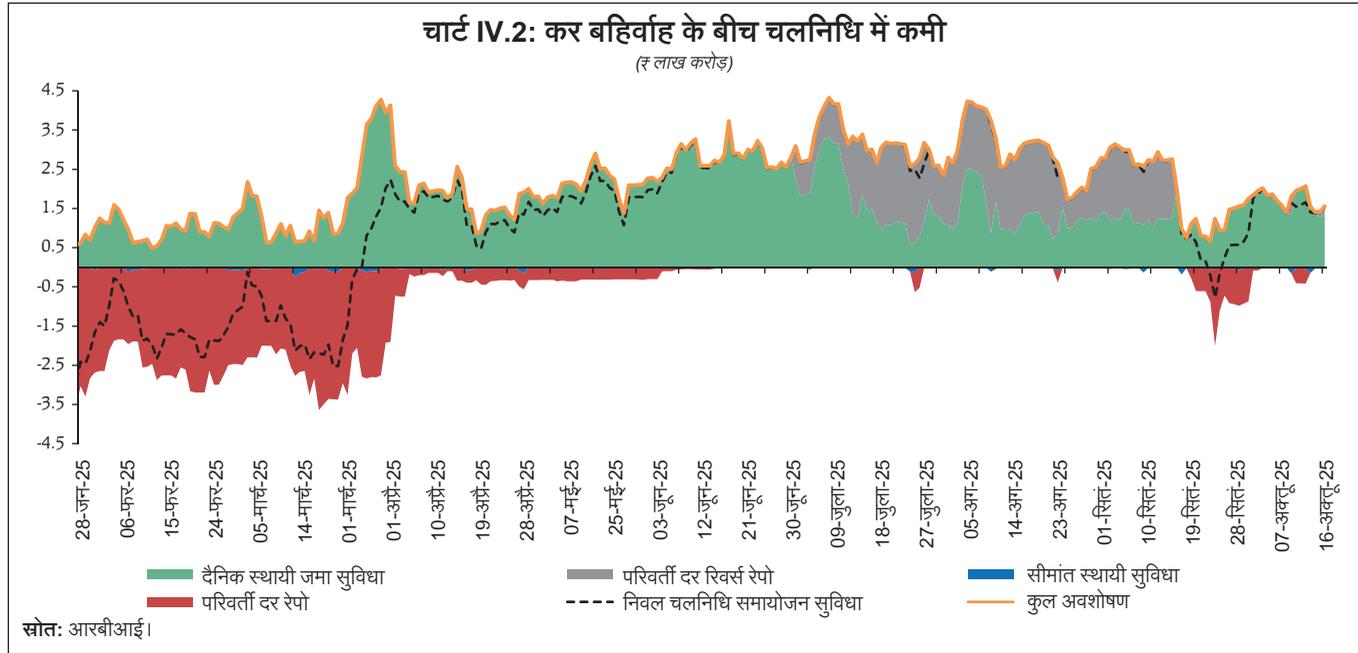
सितंबर के उत्तरार्ध और अक्टूबर (16 तारीख तक) के दौरान प्रणालीगत चलनिधि अधिशेष में रही, हालांकि अग्रिम कर और जीएसटी संग्रह से प्रेरित सरकारी नकदी शेष में वृद्धि ने इसे 22-24 सितंबर के दौरान घाटे में धकेल दिया। तब से, सरकारी खर्च और आरक्षित नकदी निधि

चार्ट IV.1: भारत के लिए अच्छी वित्तीय स्थिति
(2012 से औसत से मानक विचलन)



टिप्पणी: वित्तीय स्थिति सूचकांक अपने ऐतिहासिक औसत के आधार पर एक मेट्रिक देता है; इस मामले में, शून्य मान उस वित्तीय प्रणाली के बारे में बताता है जो सूचकांक में शामिल सभी वित्तीय संकेतकों के ऐतिहासिक औसत स्तर पर परिचालित है। परिणाम प्रस्तुत करने के लिए, एक मानकीकृत सूचकांक का प्रयोग किया गया है।²⁴
स्रोत: आरबीआई स्टाफ का अनुमान।

²⁴ विस्तृत कार्यप्रणाली के लिए देखें- https://rbi.org.in/Scripts/BS_ViewBulletin.aspx?Id=23451



अनुपात²⁵ में 25 बीपीएस की कमी से प्रवाहित प्राथमिक चलनिधि के चलते अधिशेष स्थितियों में चलनिधि की बहाली हुई। कुल मिलाकर, चलनिधि समायोजन सुविधा के तहत औसत निवल अवशोषण 16 सितंबर से 16 अक्टूबर 2025 के दौरान घटकर ₹1.0 लाख करोड़ हो गया, जो पिछले एक महीने की अवधि में ₹2.6 लाख करोड़ था (चार्ट IV.2)। इस अवधि के दौरान चलनिधि की तंगी को दूर करने के लिए, रिज़र्व बैंक ने चलनिधि इंजेक्ट करने और नीतिगत रेपो दर के साथ एक-दिवसीय मुद्रा बाजार दरों को संरेखित करने के लिए 14 परिवर्ती दर रेपो नीलामी (एक-दिवसीय से 6-दिवसीय परिपक्वता) आयोजित की। अधिशेष में समग्र चलनिधि स्थिति के साथ, स्थायी जमा सुविधा के तहत औसत शेष राशि वर्धित रही, और बैंकों द्वारा सीमांत स्थायी सुविधा की सहायता कम ली गई।²⁶

रिज़र्व बैंक ने 30 सितंबर 2025 को संशोधित चलनिधि प्रबंधन ढांचे की घोषणा की। मौद्रिक नीति के लिए एक-दिवसीय भारित औसत माँग दर (डबल्यूएसीआर) परिचालन लक्ष्य के

²⁵ 4 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी

²⁶ स्थायी जमा सुविधा के तहत शेष राशि 16 सितंबर से 16 अक्टूबर 2025 के दौरान बढ़कर 1.4 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले एक महीने की अवधि में 1.2 लाख करोड़ रुपये थी। इस अवधि के दौरान सीमांत स्थायी सुविधा से औसतन 0.04 लाख करोड़ रुपये की उधारी ली गई।

रूप में रहेगा। अल्पकालिक/क्षणिक चलनिधि के प्रबंधन के लिए, रिज़र्व बैंक मुख्य रूप से 7-दिवसीय परिवर्ती दर रेपो/परिवर्ती दर रिवर्स रेपो का उपयोग करेगा।²⁷

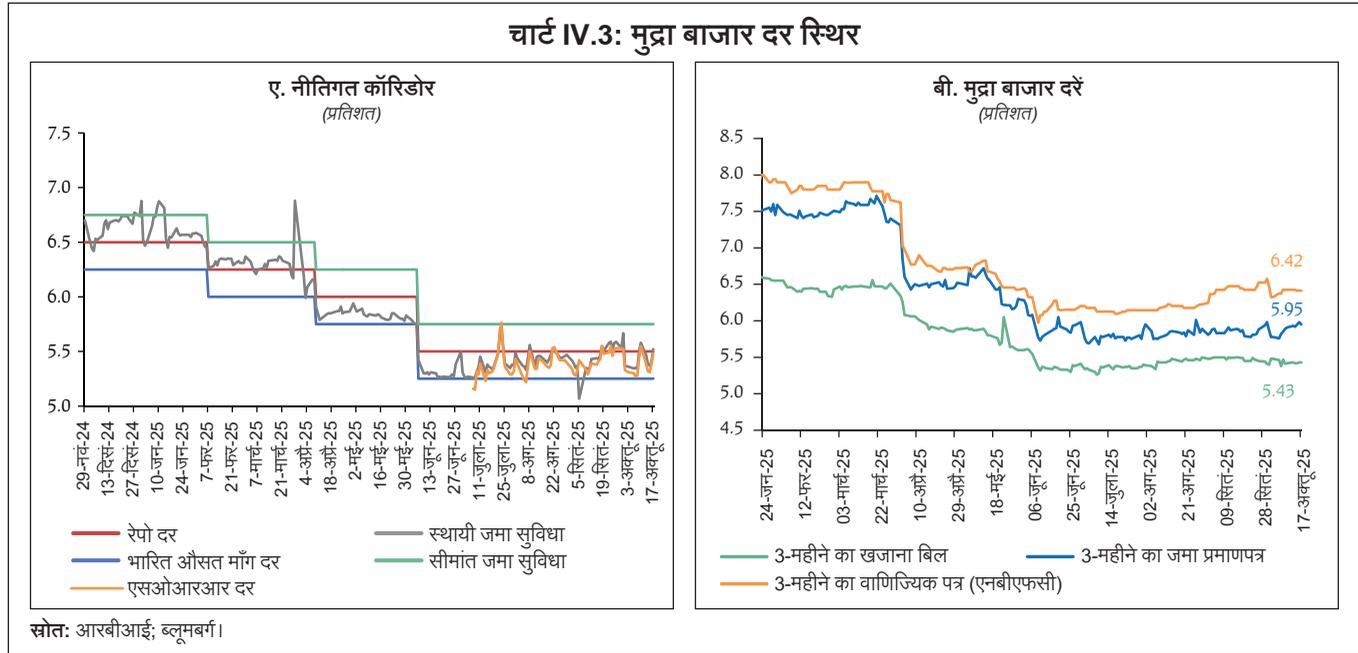
मुद्रा बाजार

डबल्यूएसीआर आम तौर पर सितंबर और अक्टूबर में नीतिगत रेपो दर के आसपास रहता है। कर बहिर्वाह के कारण चलनिधि की मांग में अस्थायी तंगी के कारण सितंबर के उत्तरार्ध के दौरान इसने नीति दर से ऊपर कारोबार किया। अक्टूबर की शुरुआत से चलनिधि-स्थितियों में सुधार होने के कारण डबल्यूएसीआर नीति दर से नीचे चला गया, जिससे आरबीआई 9 अक्टूबर और 15 अक्टूबर 2025 को दो परिवर्ती दर रिवर्स रेपो नीलामी करने के लिए प्रेरित हुआ। कुल मिलाकर, डबल्यूएसीआर पिछले एक महीने की अवधि (चार्ट IV.3ए)²⁸ की तुलना में 16 सितंबर से 16 अक्टूबर 2025 के दौरान नीति दर के साथ बेहतर रूप

²⁷ रिज़र्व बैंक उभरती चलनिधि स्थितियों के आधार पर एकदिवसीय से लेकर 14 दिनों तक की अवधि के अन्य परिवर्ती दर रेपो/परिवर्ती दर रिवर्स रेपो परिचालनों का भी उपयोग करेगा। संशोधित चलनिधि प्रबंधन ढांचे के बारे में अधिक जानकारी यहां उपलब्ध है- https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_PressReleaseDisplay.aspx?prid=61317#AN1

²⁸ औसत निरपेक्ष विचलन 16 अगस्त से 15 सितंबर 2025 की अवधि के दौरान 10.1 बीपीएस की तुलना में 16 सितंबर से 16 अक्टूबर 2025 की अवधि के दौरान कम होकर 8.4 आधार अंक पर था।

चार्ट IV.3: मुद्रा बाजार दर स्थिर



से संरेखित था। संपार्श्विक खंडों में एकदिवसीय दरें- जैसा कि बेंचमार्क सुरक्षित एकदिवसीय रुपये दर द्वारा मापा जाता है - बड़े पैमाने पर असंपार्श्विक दर के अनुरूप परिवर्तित हुई। तीन महीने के खजाना बिलों पर प्रतिफल कम हुआ, जबकि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा जारी किए गए तीन महीने के जमा प्रमाण-पत्रों और वाणिज्यिक पत्रों पर प्रतिफल में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई (चार्ट IV.3बी)।²⁹ मुद्रा बाजार में औसत जोखिम प्रीमियम (3 महीने के वाणिज्यिक पत्र और 91-दिवसीय खजाना बिल पर प्रतिफल के बीच स्प्रेड) में वृद्धि हुई।³⁰

सरकारी प्रतिभूति (जी-सेक) बाजार

निश्चित आय खंड में, सितंबर के उत्तरार्ध के दौरान और अक्टूबर (17 अक्टूबर तक) में प्रतिफल वक्र के छोटे सिरे में गिरावट आई, जबकि लंबे सिरे में प्रतिफल पैदावार सपाट रही।³¹ नतीजतन, औसत टर्म स्प्रेड (10-वर्षीय जी-सेक और

91-दिवसीय ट्रेजरी बिल के प्रतिफल के बीच का अंतर) 16 सितंबर से 17 अक्टूबर 2025 के दौरान मामूली रूप से बढ़ गया (चार्ट IV.4ए और IV.4बी)।³²

कॉरपोरेट बॉण्ड मार्केट

कॉरपोरेट बॉण्ड प्रतिफल और सरकारी प्रतिभूतियों पर उनके स्प्रेड में अवधि और रेटिंग स्पेक्ट्रम में वृद्धि हुई (सारणी IV.1)। कॉरपोरेट बॉण्ड में नए निर्गम जुलाई की तुलना में अगस्त में कम हुए। संचयी आधार पर, पिछले वर्ष की तुलना में चालू वित्त वर्ष (अगस्त तक) में कुल निर्गम अधिक थे।³³

मुद्रा और ऋण

अक्टूबर के दौरान, आरक्षित निधि की वृद्धि³⁴ स्थिर रही, जो प्रचलन में मुद्रा पर नज़र रखती है।³⁵ मुद्रा आपूर्ति में

²⁹ 3-महीने के खजाना बिलों पर औसत प्रतिफल 4 बीपीएस कम हो गया, जबकि एनबीएफसी द्वारा जारी 3-महीने के जमा प्रमाणपत्र और 3 महीने के वाणिज्यिक पत्रों पर प्रतिफल 16 अगस्त से 15 सितंबर 2025 की अवधि की तुलना में 16 सितंबर से 17 अक्टूबर 2025 की अवधि के दौरान क्रमशः 1 और 11 बीपीएस तक बढ़ गया।

³⁰ 16 सितंबर से 17 अक्टूबर 2025 की अवधि के दौरान 99 आधार अंकों तक बढ़ गया, जो पिछले एक महीने की अवधि में 84 आधार अंक था।

³¹ बेंचमार्क 3-वर्षीय सरकारी प्रतिभूति और 5-वर्षीय सरकारी प्रतिभूति पर औसत प्रतिफल क्रमशः 11 और 13 बीपीएस कम हो गया, जबकि बेंचमार्क 10 वर्षीय प्रतिभूति पर प्रतिफल में 16 अगस्त से 15 सितंबर 2025 की अवधि की तुलना में 16 सितंबर से 17 अक्टूबर 2025 की अवधि के दौरान 1 बीपीएस तक की नरमी आई।

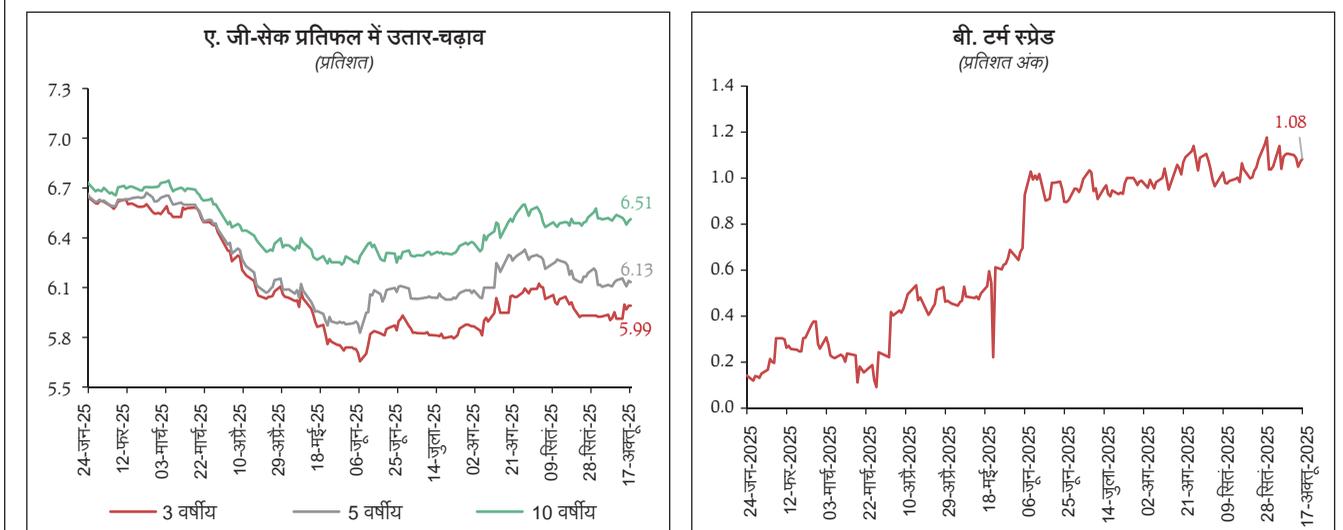
³² 16 अगस्त से 15 सितंबर 2025 की अवधि की तुलना में 16 सितंबर से 17 अक्टूबर 2025 के दौरान 10-वर्षीय जी-सेक और 91-दिवसीय खजाना बिल के बीच औसत टर्म स्प्रेड में लगभग 2 बीपीएस की वृद्धि हुई।

³³ जुलाई 2025 में ₹0.58 लाख करोड़ की तुलना में अगस्त 2025 में ₹0.43 लाख करोड़ तक कम हो गया। संचयी आधार (अप्रैल से अगस्त) पर, यह 2025-26 में ₹4.0 लाख करोड़ था, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में ₹3.3 लाख करोड़ था।

³⁴ आरक्षित नकदी निधि अनुपात में परिवर्तन के पहले दौर के प्रभाव के लिए समायोजित।

³⁵ 10 अक्टूबर 2025 को आरक्षित निधि (सीआरआर के लिए समायोजित) में 8.3 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई [12 सितंबर 2025 तक 8.6 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष)]। 10 अक्टूबर 2025 को प्रचलन में मुद्रा में 8.1 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई [12 सितंबर 2025 तक 8.7 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष)]।

चार्ट IV.4: अल्पावधिक जी-सेक प्रतिफल में कमी, दीर्घावधिक स्थिर



टिप्पणी: चार्ट बी में टर्म स्प्रेड की गणना 10 वर्षीय जी-सेक प्रतिफल और 3-माह खजाना बिल प्रतिफल के अंतर के रूप में की गई है।
स्रोत: ब्लूमबर्ग; और आरबीआई स्टाफ के अनुमान।

वृद्धि काफी हद तक स्थिर रही (चार्ट IV.5)।³⁶

3 अक्टूबर 2025 को समाप्त पखवाड़े के दौरान जमा वृद्धि से अधिक ऋण विस्तार की गति के साथ अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) में ऋण वृद्धि में तेजी आई (चार्ट IV.6)।³⁷ 2025-26 के दौरान अब तक (3 अक्टूबर, 2025 तक), वाणिज्यिक क्षेत्र में मुख्य रूप से गैर-खाद्य बैंक ऋण के प्रवाह में

वृद्धि और कॉर्पोरेट बॉण्ड निर्गम और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सहित गैर-बैंक स्रोतों से प्रवाह के चलते वित्तीय संसाधनों के प्रवाह में वृद्धि हुई।³⁸

प्रमुख क्षेत्रों में, व्यक्तिगत ऋण, सेवाओं और उद्योग के नेतृत्व में बैंक ऋण ने अगस्त³⁹ में लगातार वृद्धि प्रदर्शित की

सारणी IV.1: कॉर्पोरेट बॉण्ड का प्रतिफल और स्प्रेड में वृद्धि

लिखत	व्याज दरें (प्रतिशत)			स्प्रेड (बीपीएस) (संबंधित जोखिम-मुक्त दर से अधिक)		
	अगस्त 16, 2025 – सितंबर 15, 2025	सितंबर 16, 2025 – अक्टूबर 15, 2025	अंतर	अगस्त 16, 2025 – सितंबर 15, 2025	सितंबर 16, 2025 – अक्टूबर 15, 2025	अंतर
	2	3	(4 = 3-2)	5	6	(7 = 6-5)
(i) एएए (1-वर्षीय)	6.58	6.69	11	90	104	14
(ii) एएए (3-वर्षीय)	7.02	7.05	3	94	108	14
(iii) एएए (5-वर्षीय)	7.08	7.21	13	79	92	13
(iv) एए (3-वर्षीय)	7.92	8.18	26	198	221	23
(v) बीबीबी- (3-वर्षीय)	11.32	11.86	54	566	590	24

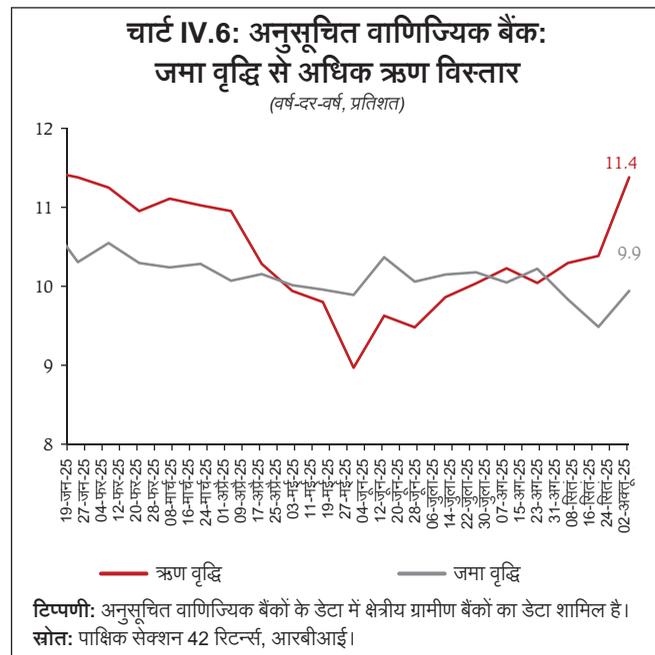
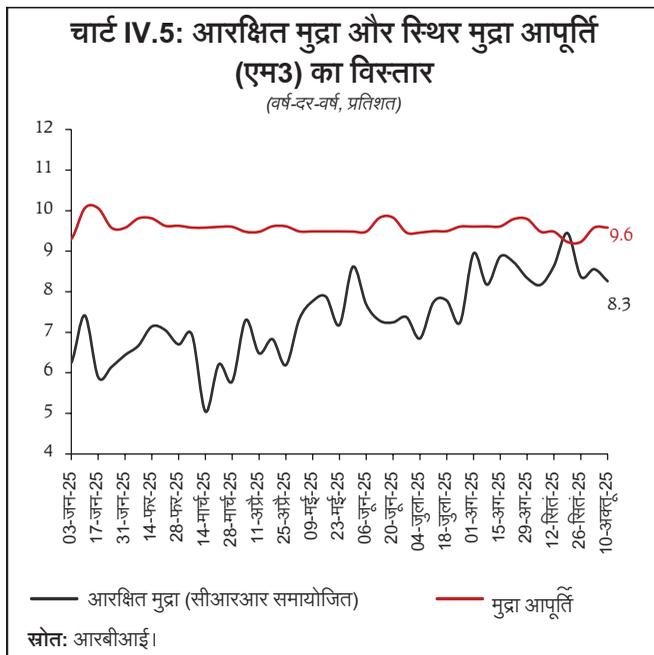
टिप्पणी: प्रतिफल और स्प्रेड की गणना संबंधित अवधि के लिए औसत के रूप में की गई है।
स्रोत: एफआईएमएमडीए।

³⁶ 3 अक्टूबर 2025 को मुद्रा आपूर्ति में 9.6 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई [5 सितंबर 2025 तक 9.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष)]।

³⁷ 3 अक्टूबर 2025 को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की ऋण वृद्धि 11.4 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) थी [एक महीने पहले 10.3 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष)]। 3 अक्टूबर 2025 को जमा वृद्धि 9.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) थी [एक महीने पहले 9.8 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष)]। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का बकाया ऋण 3 अक्टूबर 2025 को ₹192.7 लाख करोड़ (एक महीने पहले ₹187.6 लाख करोड़) था।

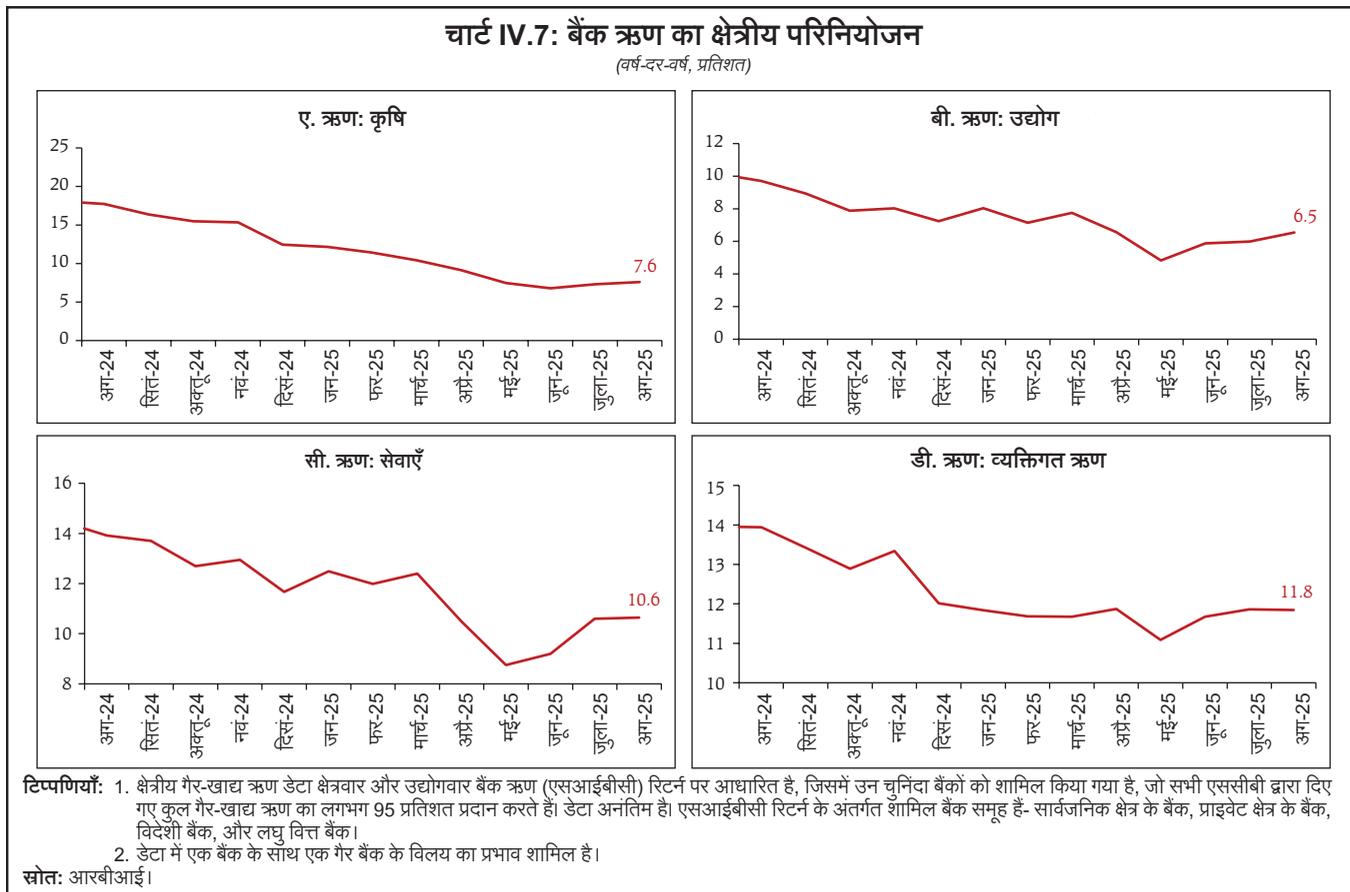
³⁸ 2025-26 के दौरान अब तक (3 अक्टूबर 2025 तक), वाणिज्यिक क्षेत्र में गैर-खाद्य बैंक ऋण के प्रवाह में 16.7 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) [1.5 लाख करोड़ रुपये] की वृद्धि हुई है, जबकि एक महीने पहले 11.1 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) [0.7 लाख करोड़ रुपये] की गिरावट आई थी। वाणिज्यिक क्षेत्र में वित्तीय संसाधनों का कुल प्रवाह एक महीने पहले के 18.0 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) [₹1.9 लाख करोड़] की तुलना में 28.3 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) (4.1 लाख करोड़ रुपये) बढ़ गया।

³⁹ अगस्त के अंत तक, गैर-खाद्य बैंक ऋण में 9.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) वृद्धि थी, जो जुलाई 2025 के समान थी। गैर-खाद्य ऋण डेटा महीने के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार के लिए पाक्षिक सेक्शन -42 रिटर्न पर आधारित है, जो सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) को कवर करता है। क्षेत्रीय गैर-खाद्य ऋण डेटा क्षेत्रवार और उद्योग-वार बैंक ऋण (एसआईबीसी) रिटर्न पर आधारित होता है, जो महीने के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार से संबंधित सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिए गए कुल गैर-खाद्य ऋण का लगभग 95 प्रतिशत ऋण देने वाले चुनिंदा बैंकों को कवर करता है।



(चार्ट IV.7)।⁴⁰ व्यक्तिगत ऋणों ने दोहरे अंकों की वृद्धि का प्रदर्शन जारी रखा। आवास के लिए ऋण वृद्धि स्थिर रही लेकिन

वाहन ऋण खंड के लिए नरम रही। सेवा क्षेत्र के लिए ऋण सुदृढ़ बना रहा। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) - सेवा



⁴⁰ समग्र ऋण वृद्धि में योगदान के संदर्भ में।

क्षेत्र के भीतर बैंक ऋण का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता - में वृद्धि दर्ज की गई, यहां तक कि जुलाई 2025 की तुलना में व्यापार और वाणिज्यिक अचल संपत्ति के लिए बैंक ऋण में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) खंड को ऋण में मामूली नरमी आई है, लेकिन यह औद्योगिक क्षेत्र में मजबूत ऋण वृद्धि का प्रमुख चालक बना हुआ है। अवसंरचना खंड में ऋण वृद्धि में मामूली बढ़त देखी गई। कृषि क्षेत्र ने ऋण वृद्धि में सुधार दर्ज किया।

जमा और उधार दरें

वर्तमान सहजता चक्र के दौरान रेपो दर में 100 आधार अंकों की कटौती के जवाब में, नए और बकाया रुपये के ऋणों पर भारित औसत उधार दरों में क्रमशः 58 बीपीएस (ब्याज दर के चलते 71 बीपीएस) और 55 बीपीएस की गिरावट आई (सारणी IV.2)। जमा पक्ष पर, नई और बकाया जमाराशियों पर भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरें क्रमशः 106 बीपीएस और 22 बीपीएस तक कम हो गईं। नई सावधि जमा दरों में उल्लेखनीय गिरावट थोक जमाओं पर ब्याज दरों में कमी के

कारण हुई। सभी बैंक समूहों में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की तुलना में निजी बैंकों के लिए ऋण दरों में संचरण अधिक था (चार्ट IV.8)। जमा पक्ष पर, निजी बैंकों की तुलना में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए प्रभाव-अंतरण अधिक था।

केंद्र सरकार ने समीक्षा की और 2025-26 की तीसरी तिमाही के लिए छोटी बचत योजनाओं पर दरों को अपरिवर्तित रखा। इन लिखतों पर प्रचलित दरें सूत्र-आधारित दरों से अधिक हैं।⁴¹

इक्विटी बाजार

सितंबर और अक्तूबर के दौरान, भारतीय इक्विटी बाजारों ने कई घरेलू और वैश्विक कारकों के जवाब में द्विदिशात्मक गतिविधियों का प्रदर्शन किया। एच-1बी वीजा शुल्क में भारी बढ़ोतरी और अमेरिका द्वारा क्षेत्र विशिष्ट शुल्क लगाने की घोषणा के बाद लगातार आठ सत्रों तक बाजार में गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद, अक्तूबर की शुरुआत में बाजारों में तेजी आई, जिसका समर्थन रिजर्व बैंक द्वारा बैंकिंग क्षेत्र की सुदृढ़ता और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने, व्यापार करने में

सारणी IV.2: बैंकों की जमा और उधार दरों में मजबूत संचरण

(आधार अंक)

अवधि	रेपो दर	सावधि जमा दरें		उधार दरें				
		डब्ल्यूएटीडीडीआर- नए जमा	डब्ल्यूएटीडीडीआर- बकाया जमा	ईबीएलआर	1-वर्षीय एमसीएलआर (माध्यिका)	डब्ल्यूएलआर (नया रुपया उधार)		डब्ल्यूएलआर (बकाया रुपया उधार)
						कुल	ब्याज दर प्रभाव [#]	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
सख्ती वाली अवधि मई 2022 से जनवरी 2025	+250	259	206	250	175	182	191	115
ढील वाली अवधि फरवरी 2025 से अगस्त 2025	-100	-106	-22	-100	-40	-58	-71	-55

टिप्पणियाँ: ईबीएलआर के आंकड़े 32 घरेलू बैंकों से संबंधित हैं।

#: भार प्रभाव के लिए उत्तरदायी भारित औसत उधार दर में अवशिष्ट परिवर्तन के साथ भार को स्थिर रखकर ब्याज दर प्रभाव निकाला जा सकता है।

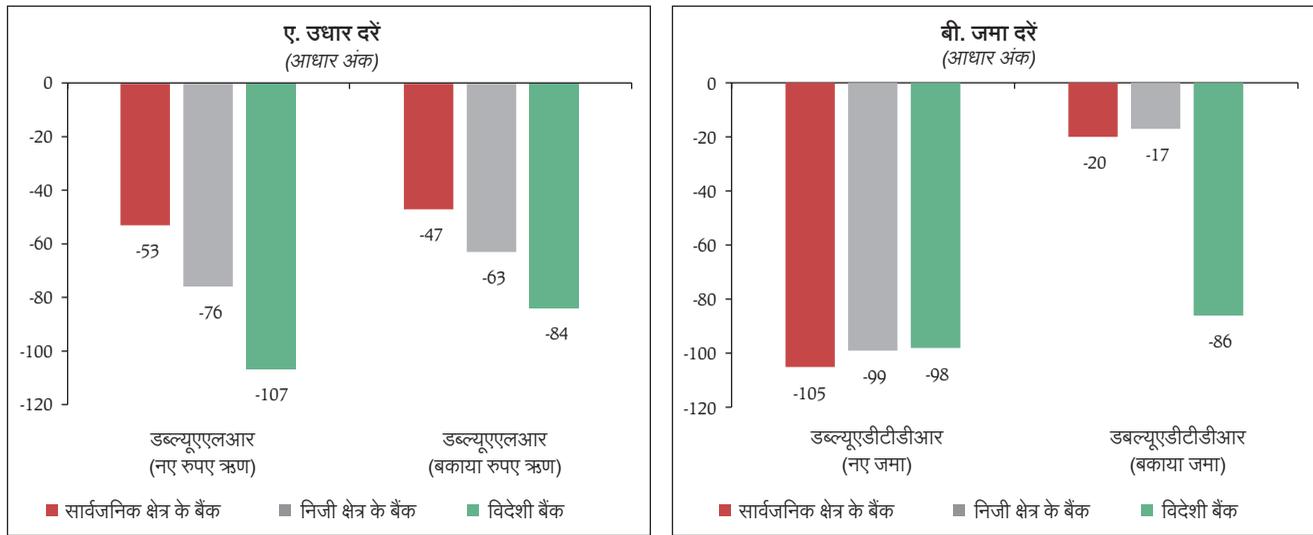
डब्ल्यूएलआर: भारित औसत ऋण दर; डब्ल्यूएटीडीडीआर: भारित औसत घरेलू सावधि जमा दर

एमसीएलआर: निधि की सीमांत लागत-आधारित उधार दर; ईबीएलआर: बाह्य बेंचमार्क आधारित उधार दर

स्रोत: आरबीआई।

⁴¹ मौद्रिक नीति रिपोर्ट – अक्तूबर 2025, अध्याय IV, आरबीआई।

चार्ट IV.8: बैंक समूहों में मजबूत संचरण (फरवरी-अगस्त 2025)



टिप्पणी: फरवरी से अगस्त 2025 के दौरान संचरण की गणना अगस्त 2025 की भारत औसत उधार और जमा दरों से जनवरी 2025 की भारत औसत उधार और जमा दरों को घटाकर की गई है।
स्रोत: आरबीआई।

आसानी को बढ़ावा देने और ऋण-प्रवाह को बढ़ाने के उद्देश्य से उपायों की घोषणा से किया गया। लाभ को डीआईआई द्वारा समर्थन मिला जो निवल खरीदार बने रहे और एफपीआई जो प्राथमिक इक्विटी बाजार में नए सिरे से भागीदारी के बीच अक्टूबर (16 वें तक) में निवल खरीदार बन गए (चार्ट IV.9)। द्वितीयक बाजार (बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50) में वृद्धि

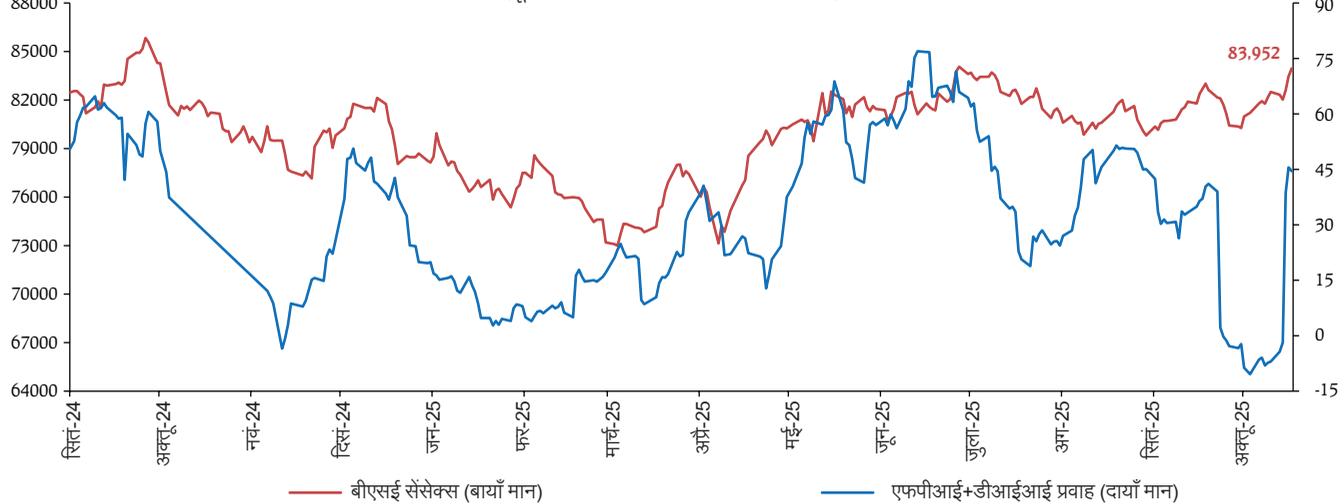
कम रही, जबकि प्राथमिक बाजार गतिविधि सितंबर 2025 में बढ़ी।⁴²

वित्त के बाह्य स्रोत

सकल आवक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) अगस्त में कम हुआ (चार्ट IV.10 ए)। सिंगापुर, केमैन आइलैंड्स, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड्स और अमेरिका में कुल अंतर्वाह का

चार्ट IV.9: घरेलू इक्विटी बाजार सीमाबद्ध

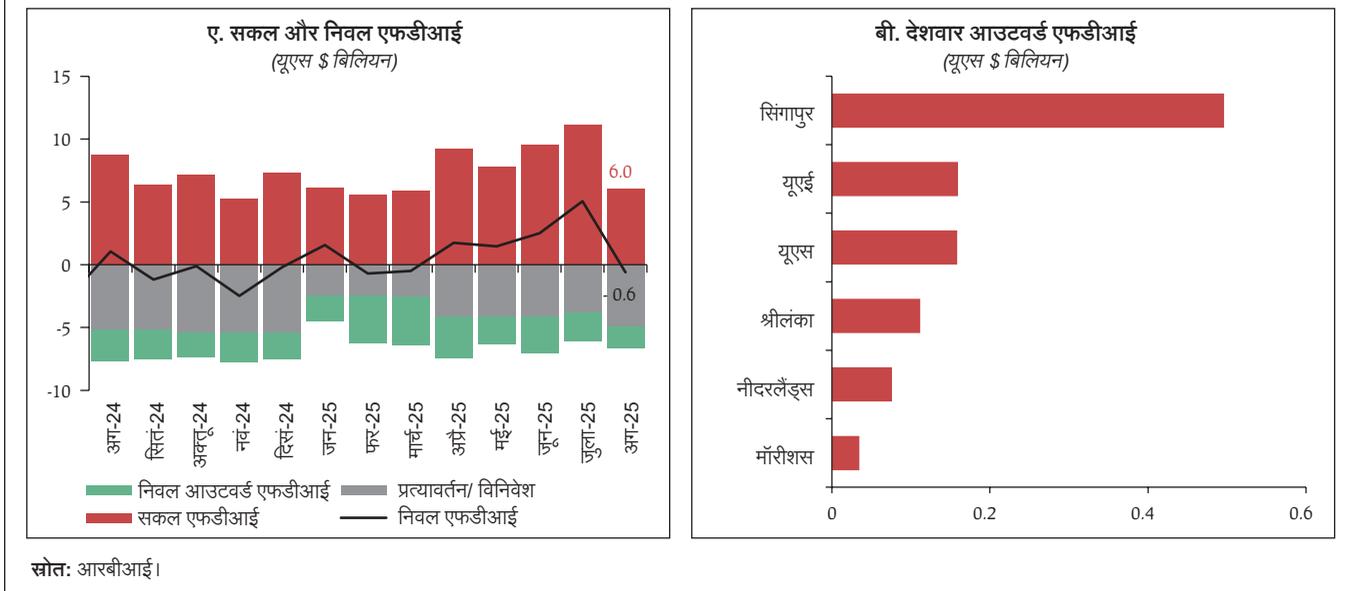
(सूचकांक, बायाँ मान, ₹ हजार करोड़, दायँ मान)



टिप्पणी: एफपीआई और डीआईआई प्रवाह को 15-दिवसीय रोलिंग सम आधार पर दिखाया गया है।
स्रोत: ब्लूमबर्ग; और कैपिटलाइन।

⁴² प्राथमिक बाजार निर्गम (प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव, अनुवर्ती सार्वजनिक प्रस्ताव और विक्रय प्रस्ताव सहित) अगस्त 2025 के ₹10,454 करोड़ से बढ़कर सितंबर 2025 में ₹13,302 करोड़ हो गए, क्योंकि इस अवधि के दौरान निर्गम संख्या 12 से बढ़कर 25 हो गई (स्रोत: प्राइम डेटाबेस)

चार्ट IV.10: विदेशी प्रत्यक्ष निवेश प्रवाह में कमी



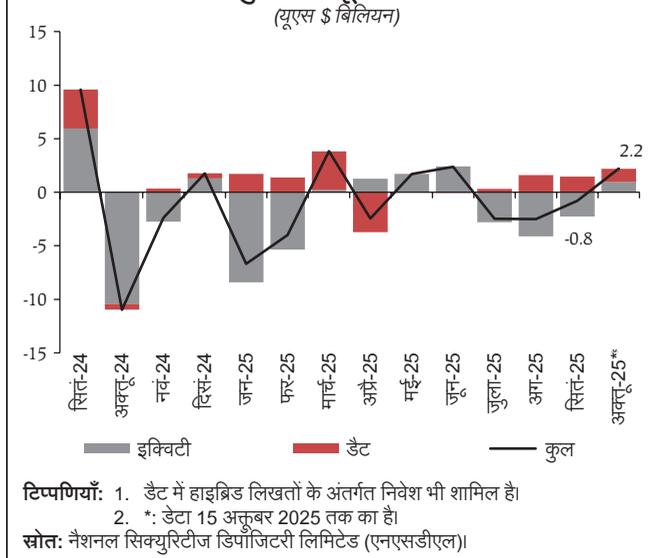
तीन-चौथाई से अधिक हिस्सा था। विनिर्माण, कंप्यूटर सेवाएं, निर्माण और वित्तीय सेवाएं शीर्ष प्राप्तकर्ता क्षेत्र थे। सकल अंतर्वाह में कमी और प्रत्यावर्तन में वृद्धि के कारण अगस्त में निवल एफडीआई नकारात्मक हो गया। अगस्त में बाह्य एफडीआई में भी गिरावट आई। ये निवेश मुख्य रूप से वित्तीय, बीमा और व्यावसायिक सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्रों की ओर निर्देशित थे, जिसमें सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका प्रमुख गंतव्य थे (चार्ट IV.10बी)।

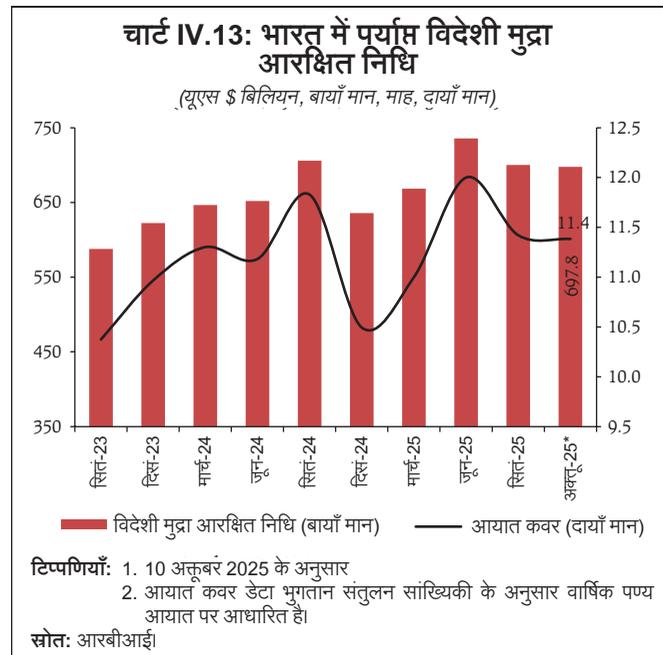
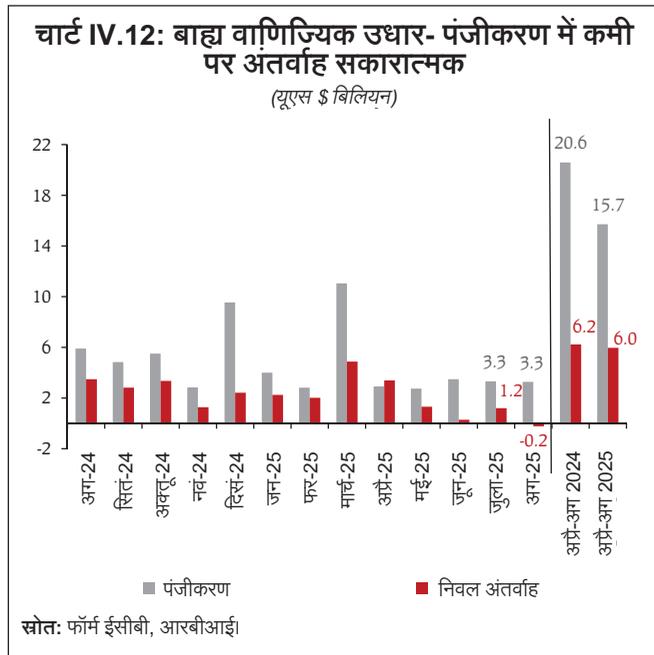
सितंबर में लगातार तीसरे महीने निवल विदेशी पोर्टफोलियो निवेश प्रवाह नकारात्मक बना रहा (चार्ट IV.11)। यह अमेरिकी शुल्क उपायों और एच-1बी वीजा शुल्क में भारी बढ़ोतरी को लेकर निवेशकों के कमजोर रुख के बीच इक्विटी बहिर्वाह से प्रेरित था। इसके विपरीत, डैट खंड में निवल प्रवाह जारी रहा, जो अमेरिकी दर में कटौती और अनुकूल प्रतिफल अंतर की उम्मीदों से समर्थित था। अक्टूबर में अब तक (15 अक्टूबर तक) कॉर्पोरेट आय में अपेक्षित सुधार और बेहतर मूल्यांकन के बीच निवल विदेशी पोर्टफोलियो निवेश निवेशकों के नवीकृत आशावाद से सकारात्मक बना।

⁴³ यह एक साल पहले की समान अवधि के 20.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में 15.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक कम हो गया।

अप्रैल-अगस्त 2025 के दौरान बाह्य वाणिज्यिक उधारों का पंजीकरण कम हो गया।⁴³ इस मंदी के बावजूद, अंतर्वाह पुनर्भुगतान से अधिक रहने के चलते, निवल प्रवाह 6.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर सकारात्मक रहा (चार्ट IV.12)। विशेष रूप से, इस अवधि के दौरान पंजीकृत कुल बाह्य वाणिज्यिक ऋण का 39 प्रतिशत, पूंजीगत व्यय के लिए निर्धारित किया गया।

चार्ट IV.11: विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में सुधार के पूर्व संकेत



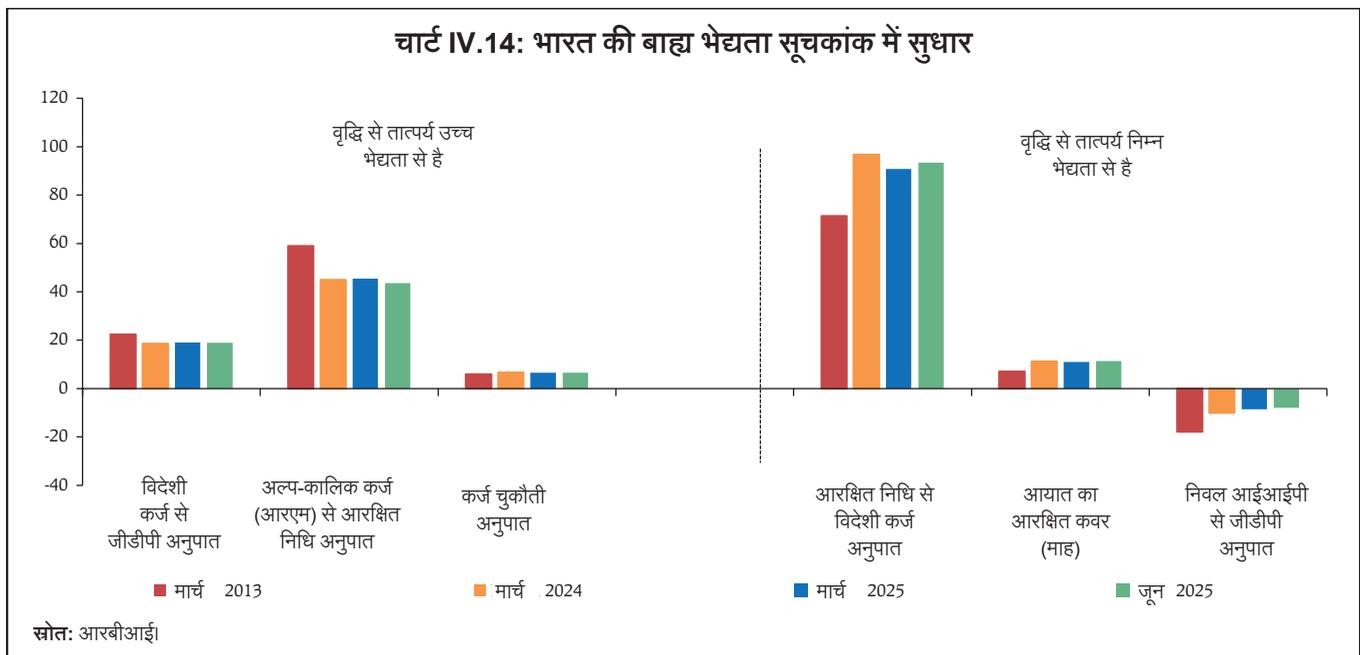


भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पर्याप्त रहा, जो 11 महीने से अधिक के माल आयात और जून 2025 के अंत में बकाया विदेशी ऋण के लगभग 93 प्रतिशत के लिए कवर प्रदान करता है (चार्ट IV.13)।⁴⁴

मार्च के अंत से जून 2025 के अंत के बीच भारत के प्रमुख बाह्य भेद्यता संकेतकों में सुधार हुआ। विदेशी कर्ज से सकल जीडीपी अनुपात, अल्पकालिक कर्ज से आरक्षित निधि अनुपात

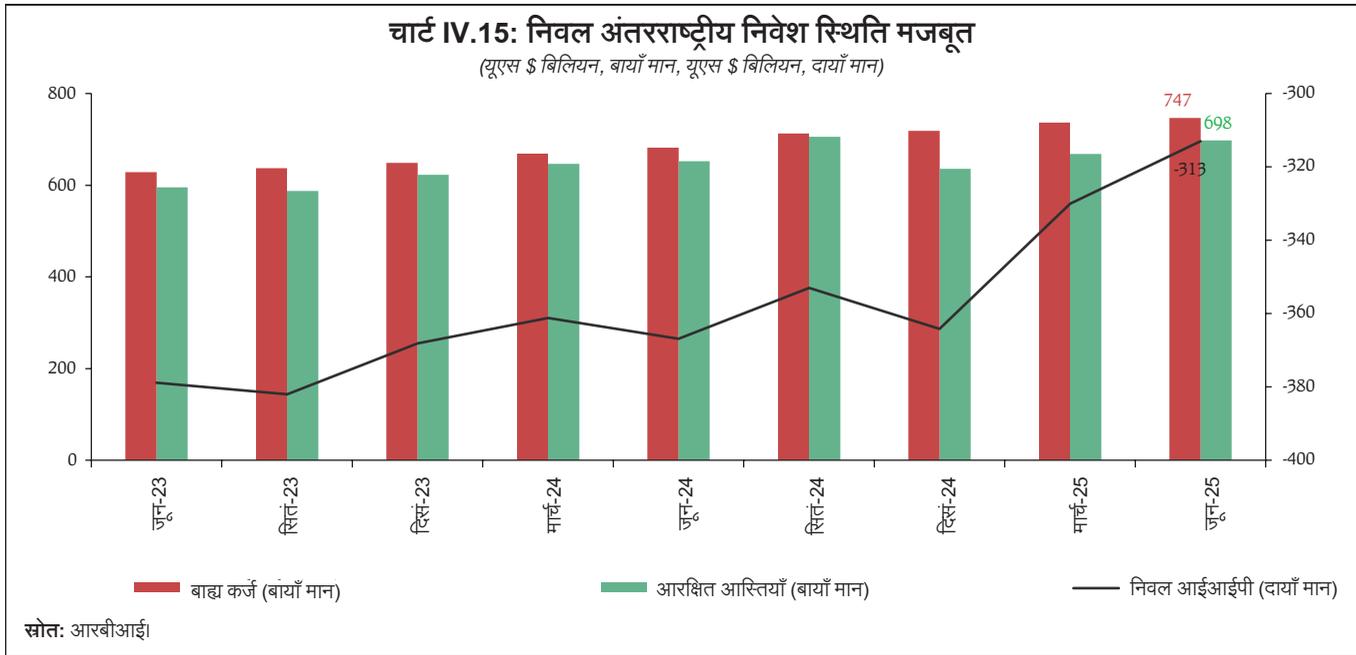
और आरक्षित निधि से विदेशी कर्ज अनुपात अनुकूल हो गए (चार्ट IV.14)। इस अवधि के दौरान भारत का विदेशी ऋण 11.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 747.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

2025-26 की पहली तिमाही (चार्ट IV.15) के दौरान भारत की निवल अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति में सुधार हुआ।⁴⁵ यह



⁴⁴ वस्तुओं और सेवाओं के लिए आयात कवर लगभग नौ महीने था।

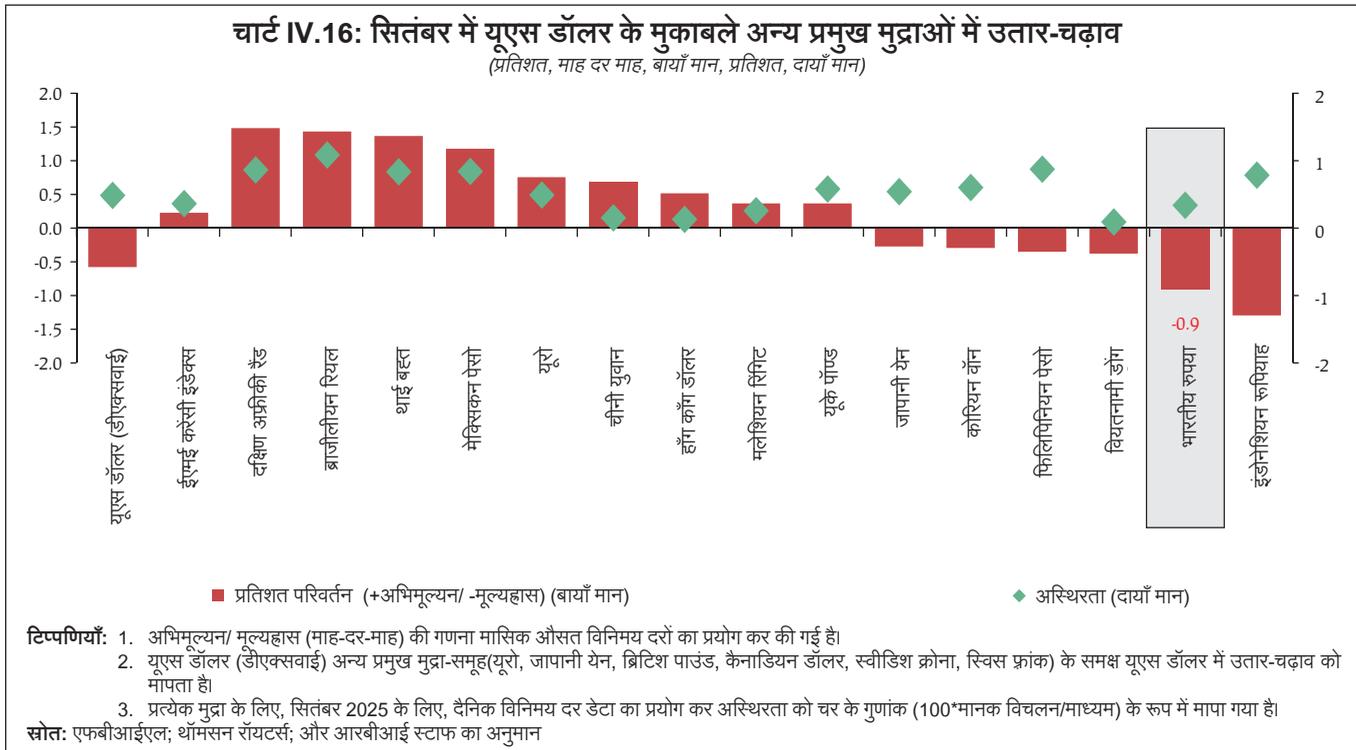
⁴⁵ इसमें 16.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सुधार हुआ और यह (-) 312.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।



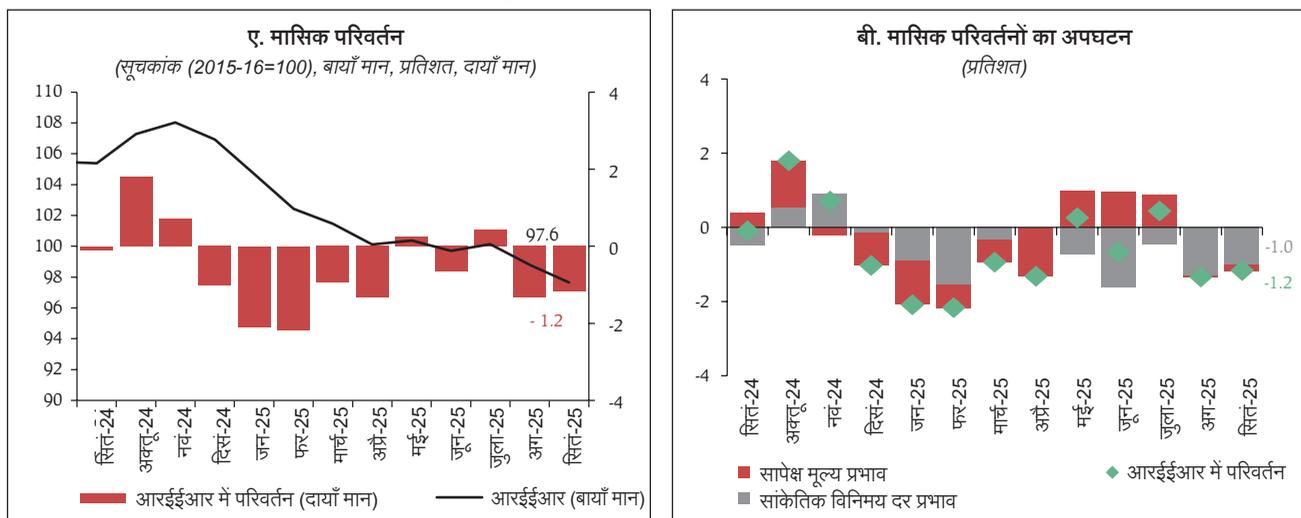
सुधार भारत में विदेशी स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों के सापेक्ष भारतीय निवासियों द्वारा विदेशी वित्तीय परिसंपत्तियों के उच्च संचय से प्रेरित था। इसके परिणामस्वरूप भारत की अंतरराष्ट्रीय परिसंपत्तियों और अंतरराष्ट्रीय देनदारियों का अनुपात जून में सुधरकर 79.2 प्रतिशत हो गया, जो मार्च में 77.6 प्रतिशत था।

विदेशी मुद्रा बाजार

सितंबर में बढ़े हुए व्यापार तनाव, बढ़ी हुई वैश्विक अनिश्चितताओं और लगातार होते विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह के बीच भारतीय रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरावट आई (चार्ट IV.16)।



चार्ट IV.17: 40-मुद्रा वास्तविक प्रभावी विनिमय दर में मूल्यहास



टिप्पणी: सकारात्मक परिवर्तन सांकेतिक और वास्तविक विनिमय दर में अभिमूल्यन और नकारात्मक परिवर्तन मूल्यहास की ओर संकेत करता है।
स्रोत: आरबीआई।

वास्तविक प्रभावी रूप से भी, सितंबर में भारतीय रुपये का मूल्यहास हुआ (चार्ट IV.17ए)। वास्तविक प्रभावी विनिमय दर में मूल्यहास मुख्य रूप से सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर में मूल्यहास से प्रेरित था (चार्ट IV.17बी)।

V. निष्कर्ष

व्यापार तनाव एक बार फिर बढ़ने लगा है। अमेरिका में बढ़ते संरक्षणवाद और एई में बढ़ते राजकोषीय जोखिमों के संदर्भ में, आईएमएफ का अक्तूबर वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक 'एक नया वैश्विक आर्थिक परिदृश्य धीरे-धीरे आकार लेता है' ('ए न्यू ग्लोबल इकोनॉमिक लेंडस्केप स्लोल्ली टेक्स शेप') के बारे में बात करता है।⁴⁶ वैश्विक अर्थव्यवस्था और नीतियों के प्रवाह की स्थिति समष्टि आर्थिक परिदृश्य के लिए पर्याप्त अनिश्चितताएं पेश करती है। इस परिदृश्य में, आर्थिक सुदृढ़ता की आवश्यकता एक प्रमुख प्राथमिकता बन गई है। हालांकि

भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक विपरीत परिस्थितियों से अछूती नहीं है, फिर भी इसने अब तक सुदृढ़ता प्रदर्शित की है, जो कम मुद्रास्फीति, बैंकों और कॉर्पोरेट्स के मजबूत तुलन-पत्रों, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और एक विश्वसनीय मौद्रिक और राजकोषीय ढांचे सहित मजबूत और टिकाऊ समष्टि आर्थिक बुनियादी बातों पर केंद्रित रहने से प्रेरित है।

जैसा कि मौद्रिक नीति समिति के 1 अक्तूबर 2025 के संकल्प में उल्लेख किया गया है, बाह्य मोर्चे पर अनिश्चितताओं के बावजूद, घरेलू चालकों द्वारा समर्थित विकास परिदृश्य सुदृढ़ बना हुआ है। घरेलू संरचनात्मक सुधार कमजोर बाह्य मांग स्थितियों से विकास पर खिंचाव को कुछ हद तक संतुलित करने में मदद कर रहे हैं।⁴⁷ वर्तमान समष्टि आर्थिक स्थितियों और परिदृश्य, जैसा कि एमपीसी द्वारा नोट किया गया है, ने विकास को और समर्थन देने के लिए नीतिगत जगह के लिए रास्ते खोल दिए हैं।

⁴⁶ वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक, चैप्टर 1 "ग्लोबल प्रोस्पेक्ट्स एंड पॉलिसीज"।

⁴⁷ 1 अक्तूबर 2025 में 2025-26 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि को 30 बीपीएस से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया गया, जो एमपीसी संकल्प 6 अगस्त 2025 के संकल्प में 6.5 प्रतिशत के अनुमान पर थी। 2025-26 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति अनुमान को पहले के 3.1 प्रतिशत से 50 आधार अंकों से घटाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया गया है।